badhtikalam@gmail.com | Badhti kalam | 09887454960 | भारत व राजस्थान सरकार के विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhtikalam.com

बढ़ती कलम

बिना फेवर, तीखे तेवर

सवाईमाधोपुर व करौली जिले में प्रसारित

वर्ष: 12 अंक: 34 | गंगापुरसिटी. बुधवार 21 जुलाई, 2021 | कुल पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

लोकसभा कल सुबह 11 बजे तक स्थगित

राज्यसभा में सपा सांसद ने की स्वास्थ्य बजट बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को भी विपक्षी दलों के हंगामे के साथ कार्यवाही की शुरुआत हुई। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही स्थगित कर दी गई। इसके बाद दोपहर दो बजे दोपहर दोबारा शुरू होने के बाद भी नारेबाजी के कारण तीन बजे तक सदन को स्थगित कर दिया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही तीन बार स्थगित होने के बाद जब शुरू हुई तब सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कोविड महामारी को लेकर केंद्र पर हमला बोला। संजय राउत ने वैक्सीन के विदेश सप्लाई का मामला उठाते हुए कहा, 6 करोड़ वैक्सीन विदेश भेजे गए। भारत में हुई मौतों की गवाह है गंगा नदी। धारा 297 में कहा गया है कि शवों का अपमान नहीं होना चाहिए। AIADMK के नेता एम थांबिदुरई ने महामारी पर बोलते हुए प्रधानमंत्री की पुणे और हैदराबाद दौरे की सराहना की जहां कोरोना वैक्सीन के उत्पादन का काम हो रहा है। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए बजट को बढ़ाने की मांग की। उन्होंने सदन में कहा, भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय का बजट आवंटन बढ़ा दें। बजट से पहले मैंने निर्मला जी से स्वास्थ्य बजट बढ़ाने की बात कही थी। मौजूदा स्वास्थ्य बजट फर्जी है। वास्तविक बजट केवल 72,000 करोड़ रुपये का है। आपने अन्य विभागों का बजट स्वास्थ्य में जोड़ दिया।%

राज्यसभा में महामारी पर चर्चा

खडगे ने कहा, इतने बड़े देश में कोरोना से कितने लोग मरे क्या ये रहस्य ही बना रहेगा? सरकार देश में कोरोना से 4 लाख से अधिक मौतों की बात बताती है। जो झूठे आंकड़े सरकार जारी कर रही है वो सत्य से दूर हैं। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने 15 मई 2021 को कहा कि जो लोग चले गए वो मुक्त हो गए। सरकार का समर्थन करने वाले संघ की क्या नीति और मंशा है, ये इससे पता चलता है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शांतनु सेन ने कहा, तमिलनाडु में एक दिन में 234 सीटों पर चुनाव हुए। पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में 294 सीटों पर। संक्रमण दर चुनाव से पहले 2.3 प्रतिशत था और इसके बाद यह बढ़कर 33 प्रतिशत हो गया। हमारे मुख्यमंत्री को बधाईयां, अब यह वापस 1.8 प्रतिशत हो गया है। इसके कारण लोकसभा पांच मिनट भी नहीं चल सकी और दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा पहले 12 बजे तक फिर एक बजे और तीसरी बार आधे घंटे के लिए स्थगित हो गई। बता दें कि पेगासस जासूसी प्रकरण के साथ कृषि कानून विरोधी आंदोलन और महंगाई के मुद्दों पर विपक्षी दलों द्वारा हंगामा किया जा रहा है। कई विपक्षी सांसदों ने पहले ही संसद में स्थगन प्रस्ताव दिया है। राज्यसभा की कार्यवाही दोबारा एक बजे शुरू हुई जिसके बाद भाजपा सांसद स्वपन दासगुप्ता ने कहा, महामारी हमारे लिए लगातार सीखने का अनुभव रहा है। तीसरी बार सदन की कार्यवाही 1.34 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश ने कहा, %कोविड पर चर्चा के लिए सभी नेता अध्यक्ष से मिले हैं और उन्हें इसके लिए इजाजत दी गई है जो 1 बजे से सदन के दोबारा शुरू होने पर होगा।% शिरोमणि अकाली दल ने कृषि कानूनों के खिलाफ संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर ने बताया, इन कृषि कानूनों के खिलाफ सिर्फ शिरोमणि अकाली दल खड़ा है, कांग्रेस अपनी कुर्सी बचाने में लगी हुई है।

लोकसभा अध्यक्ष ने दिए हैं ये निर्देश

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कार्यवाही की शुरुआत के साथ विपक्ष के हंगामे को देखते हुए कहा, %तख्तियां सदन में लाना नियम-प्रक्रियाओं के विरुद्ध है। आप नियम के तहत नोटिस दें तो हर विषय पर चर्चा को सरकार तैयार है। आप गलत परंपरा डाल रहे हैं।% लोक सभा की कार्यवाही बाधित कर रहे सांसदों को सदन के अध्यक्ष ने नियम और प्रक्रियाओं का पालन करने को भी कहा है।

सीरो सर्वे में खुलासा

देश के दो तिहाई लोग हुए कोरोना संक्रमित, बच्चों में मिली एंटीबॉडी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में किए गए सीरोलॉजिकल सर्वे में 67.6 फीसदी लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसका मतलब है कि इतने फीसदी लोग पहले कोरोना संक्रमण के चपेट में आ चुके हैं और इनके शरीर में कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश में कराए गए सीरो सर्वे में 67.7 फीसदी लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। यह सर्वे जून-जुलाई में 21 राज्यों के 70 ज़िलों में आयोजित किया गया है।

28,975 लोगों पर किए गए इस सर्वे में 6 से 17 साल के बच्चों को भी शामिल किया गया था। सर्वे में शामिल 67.6 फीसद लोगों में कोरोना एंटीबॉडी (Covid Antibody) मिली है यानी ये कोरोना संक्रमित हो चुके थे। ढ्ढष्टरूक्र के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सीरो सर्वे में 6-17 वर्ष की आयु के बच्चे शामिल थे। 6-9 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में यह 57.2 फीसद था; 10-17 वर्षों में, यह 61.6 फीसद था; 18-44 वर्षों में, यह 66.7 फीसद था। 45-60 वर्षों में यह 77.6 फीसद था।

ICMR के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने सीरो सर्वे के रजिल्ट जारी करते हुए बताया कि सर्वे में सामने आया कि देश की दो-तिहाई आबादी में कोरोना एंटीबॉडी मिली है। अभी भी 40 करोड़ आबादी पर कोरोना का खतरा है। सर्वे में शामिल 6 से 17 साल के आधे से ज्यादा बच्चों में भी एंटीबॉडी पाई गई है। इसका मतलब हुआ कि दूसरी लहर में संक्रमण ने बच्चों को भी प्रभावित किया है।

सीरो सर्वे में में क्या आया सामने

- शहरी इलाकों में रहने वाले 69.6 फीसद और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले 66.7 फीसद में एंटीबॉडी थी। - 6 से 9 साल के 57.2 फीसद और 10 से 17 साल के 61.6 फीसद बच्चों में कोरोना की एंटीबॉडी मिली।
- 18 से 44 साल के 66.7 फीसद, 45 से 60 साल के 77.6 फीसद और 60 साल से ऊपर के 76.7 फीसद में एंटीबॉडी मिली।
- सर्वे में शामिल 69.2 फीसद महिलाओं और 65.8 फीसद पुरुषों में कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी मिली।

कोरोना के खलिफ वैक्सीन है कारगर

सीरो सर्वे में शामिल 12,607 लोग ऐसे थे, जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली थी। 5,038 ऐसे थे जिन्हें एक खुराक लगी थी और 2,631 को दोनों खुराक लग चुकी थी। सर्वे में सामने आया कि वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले 89.8 फीसद में एंटीबॉडी पाई गई। वहीं, एक डोज लेने वाले 81 फीसद में एंटीबॉडी मिली, जबकि, जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली थी, ऐसे 62.3 फीसद लोगों में ही एंटीबॉडी मिली। ऐस में ऐसा माना जा सकता है कि वैक्सीन लेने के बाद एंटीबॉडी बन रही है।

ईद से पहले इराक में आत्मघाती हमला

बम धमाके में 35 लोगों की मौत, 60 से ज्यादा जख्मी; आईएस के आतंकी ने भीड़ भरे बाजार में खुद को उड़ाया

इराक (एजेंसी)। इराक के सदर शहर में आत्मघाती बम धमाके में 35 लोगों की जान चली गई और 60 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं। धमाका सोमवार शाम को एक बाजार में हुआ। मंगलवार को ईद होने की वजह से बाजार में काफी भीड़ थी। इसीलिए आतंकी ने इस जगह को चुना। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन आईएस ने ली है। आतंकी संगठन ने टेलीग्राम के जरिए हमले की जिम्मेदारी ली है। आईएस का कहना है कि उसके एक आतंकी ने भीड़ के बीच खुद को बम से उड़ा लिया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के सूत्रों का कहना है कि हमले में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। इस हमले के बाद इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-काधेमी ने सुरक्षा कमांडर्स की आपात मीटिंग बुलाई। वहीं राष्ट्रपति बरहाम सालेह ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि एक भयानक अपराध के साथ कुछ लोग ईद से पहले सदर शहर में नागरिकों को निशाना बनाना चाहते हैं। हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक कि आतंकवाद जड़ से खत्म न हो जाए।

7 महीने में आईएस का दूसरा आत्मघाती हमला

इसी साल अप्रैल में भी इराक के सदर शहर के एक बाजार में कार में धमाका हुआ था। इसमें 4 लोग मारे गए थे और 20 जख्मी हुए थे। इस हमले की जिम्मेदारी भी आईएस ने ही ली थी। वहीं जनवरी में सेंट्रल बगदाद तायारन स्क्वायर मार्केट में हुए सुसाइड बॉम्ब अटैक की जिम्मेदारी भी आईएस ने ली थी। इस धमाके में 30 लोग मारे गए थे।

प्रदेश में फिर वैक्सीन का संकट

4 दिन में आई 15.32 लाख डोज खत्म!

राज्य में 600 से भी कम साइट्स पर वैक्सीनेशन हो रहा

जयपुर (कासं)। राजस्थान में तीन दिन के बाद आज फिर वैक्सीनेशन बंद होने की स्थिति बन गई है। 15 से 18 जुलाई तक अलग-अलग चरण में आई 15.32 लाख डोज में से अब पूरे प्रदेश में 1.75 लाख डोज से भी कम बची है। ऐसे में बुधवार से राज्य में लगभग सभी सेंटर पर वैक्सीनेशन बंद हो जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से मिले डेटा के मुताबिक पिछले तीन दिनों में राज्य में 12.43 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई गई है। वैक्सीन का स्टॉक कम होने के कारण आज पूरे राज्य में 600 से भी कम साइट्स पर वैक्सीनेशन हो रहा है। प्रदेश के 33 में से 6 जिले तो ऐसे हैं जहां आज वैक्सीनेशन बिल्कुल बंद है। इसमें राजधानी जयपुर भी शामिल है, जहां किसी भी सरकारी सेंटर पर वैक्सीन नहीं लग रही। हालांकि कुछ प्राइवेट सेंटर पर लोग पैसे देकर जरूर वैक्सीन लगवा रहे हैं,

लेकिन जो लोग सरकारी सेंटर पर पहुंचे तो उन्हें बिना टीका लगवाए निराश होकर लौटना पड़ा। जयपुर के अलावा झालावाड़, हनुमानगढ़, कोटा, झुंझुनूं, सीकर में भी टीके नहीं लग रहे।

वैक्सीन आने की संभावना कम

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों की माने तो आज वैक्सीन आने की संभावना कम है। ऐसा रहा तो बुधवार को राज्य में वैक्सीनेशन प्रोग्राम ठप्प हो जाएगा। क्योंकि आज केवल अजमेर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर चित्तौड़गढ़, राजसमंद सहित कई ऐसे जिले हैं, जहां वैक्सीन की डोज नाममात्र की बची है। वहीं, अन्य शेष जिलों में भी वैक्सीन का स्टॉक इतना ही बचा है कि आज ही लग सकेगी।

अब तक 2.90 करोड़ डोज लगे

राजस्थान में जब से वैक्सीनेशन शुरू हुआ है, तब से अब तक पूरे राज्य में 2 करोड़ 32 लाख 98 हजार लोगों को 2.90 करोड़ डोज लगाई जा चुकी है। इनमें से 57.10 लाख लोग ऐसे हैं जिनको वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी है। जिले वार स्थिति देखे तो जयपुर फर्स्ट में अब तक सबसे ज्यादा 15.21 लाख से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि सबसे कम वैक्सीन जैसलमेर जिले में लगी है, यहां अब तक करीब 2.34 लाख लोग ही वैक्सीनेशन के दायरे में आए है।

वाट्सऐप पर पोर्न फिल्म नेटवर्क

राज कुंद्रा की ग्रुप चैट वायरल

मुम्बई (एजेंसी)। पोर्न मूवीज बनाने के मामले में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को सोमवार देर रात गिरफ्तार किया था। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, राज के खिलाफ इसी साल फरवरी में केस दर्ज किया गया था। राज कुंद्रा ने पोर्न फिल्म इंडस्ट्री में 8 से 10 करोड़ रुपए का निवेश किया था। राज कुंद्रा और उनके ब्रिटेन में रह रहे भाई ने वहीं केनरिन नाम की एक कंपनी बनाई। फिल्मों के वीडियो भारत में शूट किए गए थे और वी ट्रांसफर (ये एक फाइल ट्रांसफर सर्विस है) के जरिए उन्हें केनरिन को भेजा गया। ये कंपनी राज कुंद्रा ने ही बनाई और विदेश में रजिस्ट्रेशन करवाया ताकि भारत के साइबर लॉ से बच सकें। राज की गिरफ्तारी के बाद कुछ वॉट्सऐप चैट सामने आई हैं जिनसे ये खुलासा हो रहा है कि राज ने पोर्न मूवीज बनाने के कारोबार से तगड़ी कमाई की है।

पुलिस-किसान बैठक बेनतीजा

किसान संसद भवन तक जाने पर अड़े, पुलिस नहीं दे रही इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 जुलाई को संसद भवन पर जाकर प्रदर्शन करने के लिए पुलिस की ओर से किसान नेताओं को इजाजत नहीं दी गई है। किसानों के संसद भवन जाकर प्रदर्शन करने की मांग को लेकर अलीपुर के पास मंतरम रिसोर्ट पर बैठक हुई मगर ये बेनतीजा रही।

इसमें किसानों को पुलिस की ओर से दूसरे विकल्प भी दिए गए थे मगर वो नहीं माने। इसके अलावा पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की संख्या भी कम करने को कहा मगर वो उस पर भी राजी नहीं हुए। किसान 200 की संख्या में ही संसद भवन तक प्रदर्शन करने के लिए जाने पर आड़े हुए हैं। हालांकि शाम को संयुक्त किसान मोर्चा की एक बैठक और होनी है। उसमें पुलिस की ओर से दिए गए सुझावों पर नेता चर्चा करेंगे। उसी के बाद चीजें तय हो पाएंगी। इससे पहले सोमवार को होने वाली दिल्ली पुलिस व संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक टाल दी गई थी। संयुक्त किसान मोर्चा ने मानसून सत्र के दौरान 22 जुलाई से हर रोज दो सौ लोगों के साथ संसद भवन के बाहर धरना - प्रदर्शन करने की घोषणा कर रखी है।

पाकिस्तान ने मोदी सरकार पर जासूसी का आरोप लगाया

इमरान खान की भी जासूसी हुई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इजराइली स्पायवेयर पेगासस से जासूसी के मुद्दे पर देश में तो संसद से सड़क तक हंगामा मचा हुआ ही है। वहीं अब ये मुद्दा पाकिस्तान में भी तूल पकड़ रहा है। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जिन नंबरों की जासूसी करवाई गई है, उसमें एक नंबर ऐसा भी है, जिसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान एक बार इस्तेमाल कर चुके हैं। यह रिपोर्ट सामने आने के बाद पाकिस्तान की राजनीति में उथल-पुथल मच गई है। पाकिस्तानी मीडिया डॉन न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान के आईटी मंत्री फवाद चौधरी ने पाक पीएम की जासूसी का मुद्दा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठाने की धमकी दी है। चौधरी ने जासूसी का आरोप भारत पर लगाया है।

उन्होंने कहा है कि इस मसले पर जानकारी सामने आते ही इस मुद्दे को उठाया जाएगा।

भारत के 1,000 नंबर सर्विलांस लिस्ट में

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक सर्विलांस लिस्ट में भारत के 1,000 नंबर और पाकिस्तान के 100 नंबरों को डाला गया था। स्पायवेयर सॉफ्टवेयर पेगासस इजराइली फर्म ह्स्ह्र ग्रुप टेक्नोलॉजीज ने बनाया है। कंपनी को हैकिंग सॉफ्टवेयर बनाने में महारत हासिल है। उसका दावा है कि कई देशों की सरकार जासूसी के लिए उसका सॉफ्टवेयर इस्तेमाल क कर चुकी हैं।

रिपोर्ट में दावा- मोदी के मंत्री भी हैकिंग के दायरे में

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि न सिर्फ कांग्रेस के नेता ही नहीं बल्कि केंद्रीय संस्कृति मंत्री प्रह्लाद पटेल और संसद में सरकार का बचाव करने वाले ढ्ढञ्ज मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव के फोन भी हैकिंग टारगेट पर थे। रिपोर्ट में जिन नामों का जिक्र किया गया है, उनमें से प्रमुख लोग ये हैं.. विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के फोन नंबर भी इस लिस्ट में शामिल थे।

धरती से 4 दिन दूर मुसीबत : चीन का प्रपोजल- इसका रास्ता बदलने के लिए रॉकेट भेजो

पृथ्वी के करीब से गुजरेगा ताज महल से तीन गुना बड़ा उल्का पिंड

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्पेस इन दिनों चर्चा में है। वजह है वर्जिन के फाउंडर रिचर्ड ब्रैन्सन और अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस का स्पेस टूरिज्म। इस बीच अंतरिक्ष से जुड़ी एक और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। नासा ने कहा है कि 24 जुलाई को पृथ्वी के पास से एक उल्का पिंड गुजरेगा। जानिए, इस दिलचस्प घटना से जुड़ी जरूरी चीजें...

कौन सा उल्का पिंड है और किस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है?

नासा ने इस उल्का पिंड का नाम '2008 GO20' है। ये एक अपोलो क्लास एस्टेरॉयड है। इसका आकार स्टेडियम जितना यानी ताज महल से करीब तीन गुना बड़ा है। ये पृथ्वी की तरफ 18 हजार मील प्रति घंटे यानी 8 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से

धरती की ओर बढ़ रहा है।

धरती के कितने करीब से गुजरेगा एस्टेरॉयड?

नासा का कहना है कि 24 जुलाई को जब ये एस्टेरॉयड गुजरेगा तो पृथ्वी से इसकी दूरी 0.04 AU रहेगी यानी 37 लाख 18 हजार 232 मील। पृथ्वी से इसकी दूरी को ऐसे समझा जा सकता है कि चंद्रमा हमारी सतह से 2 लाख 38 हजार 606 मील दूर है। यानी ये चांद से भी बहुत ज्यादा दूरी से गुजरेगा।

क्या एस्टेरॉयड के टकराने का खतरा है?

नासा के मुताबिक तो नहीं। उसका कहना है कि घबराने की कोई बात नहीं है। किसी भी स्थिति में इस उल्का पिंड के 26 लाख 5 हजार 509 मील से ज्यादा करीब आने की आशंका नहीं है। हालांकि, इस स्थिति में भी नासा ने इसे NEO ऑब्जेक्ट यानी पृथ्वी के करीब का ऑब्जेक्ट कहा है।

चीन ने प्रपोजल रखा है कि अगर इस उल्का पिंड के पृथ्वी से टकराने का खतरा बढ़ता है तो अंतरिक्ष में बड़े रॉकेट भेज दिए जाएं, ताकि इसका रास्ता बदल जाए।

क्या केवल यही एस्टेरॉयड है, या और भी हैं?

नासा के मुताबिक 24 जुलाई तक पृथ्वी के आसपास से 2021 NE, 2019 AT6, 2019 NB7 और 2014 BP43 जैसे एस्टोरॉयड भी गुजरेंगे, लेकिन किसी से भी कोई खतरा नहीं है।

सम्पादकीय

साइबर दुनिया के उलझे खुलासे

इजरायली जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस पर खुलासे को लेकर देश-दुनिया में बवाल मचा हुआ है। यह पहला मौका नहीं है, जब किसी 'स्पाईवेयर' से चुनिंदा लोगों के फोन टैप करने के आरोप लगे हैं। इसके लिए अमूमन सरकारों को कठघरे में खड़ा किया जाता है, जबकि वे इससे इनकार करती रही हैं। दिक्कत यह है कि इन आरोप-प्रत्यारोपों में सच कभी सामने नहीं आ पाता। फिर, भारत ही नहीं, दुनिया भर में लोगों की याददाश्त इतनी छोटी होती है कि ऐसे खुलासों पर वे दो-तीन दिनों तक तो हंगामा करते हैं, और फिर सब कुछ भूलकर अपनी-अपनी राह पर बढ़ जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'पॉलिसी वैक्यूम' की स्थिति है। वैश्विक स्तर पर ऐसा कोई साइबर कानून है ही नहीं, जो देशों को बाध्य कर सके कि वे इस तरह की गतिविधियां न करें या ऐसी हरकत को अंजाम देने वालों को कानून के सामने खड़ा कर सकें। नतीजतन, ऐसे खुलासे बेजा चले जाते हैं। ऐसी घटनाएं सचेत करती हैं कि तीव्र इंटरनेट के इस युग में कोई भी खुद को 'पूरी तरह सुरक्षित' न समझे। अभी जिस पेगासस सॉफ्टवेयर से दुनिया भर के हारों लोगों की जासूसी की गई है, वह महज एक मिस्ड कॉल से मोबाइल में डाला जा सकता है। यह इतना शक्तिशाली सॉफ्टवेयर है कि मिस्ड कॉल का जवाब न देने पर भी यह आपके मोबाइल को अपने नियंत्रण में ले लेता है और आपकी हरेक गतिविधि को उस व्यक्ति तक पहुंचाता जाता है, जो इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल आपके खिलाफ कर रहा होता है। समस्या यह है कि ज्यादातर लोगों को यह पता ही नहीं कि कब फोन उनका दुश्मन बन गया। इसीलिए हम नींद में बिल्कुल न रहें, बल्कि कुछ बुनियादी कदम उठाएं, ताकि अपना और अपने डाटा को सुरक्षित रख सकें। सबसे पहले, हमें साइबर सुरक्षा का महत्व समझना होगा और इसे जीवन जीने की एक शैली के रूप में अपनाना होगा। यह सोच गलत है कि सरकार साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। यह सरकार की ही नहीं, हरेक व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी है। अपनी डिजिटल गतिविधियों को लेकर जितने सतर्क और जागरूक हम खुद होंगे, उतना ही ज्यादा हम सुरक्षित रह सकेंगे। दूसरी बात, सावधानी और सतर्कता को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाएं। इंटरनेट सेवा देने वाली कंपनी से यह कतई अपेक्षा न रखें कि वह आपके डाटा का संरक्षण करेगी। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कई लोकप्रिय सोशल मीडिया एप के सर्वर भारत में नहीं हैं। इतना ही नहीं, अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (मोबाइल, कंप्यूटर आदि) की हर दो-तीन दिनों में जांच करें। उसमें अगर ऐसी कोई फाइल या एप दिखे, जो आपने 'डाउनलोड' नहीं किए हैं, तो उसे तत्काल हटा दें। जिस एप को इस्तेमाल किए 15-20 दिन हो जाएं, उसे भी 'डिलीट' कर दें, क्योंकि ऐसे एप से भी डाटा चुराए जा सकते हैं। तीसरी बात, हममें से अधिकांश लोग इंटरनेट पर जो कुछ भी देखते-सुनते हैं, उन पर बहुत आसानी से विश्वास कर लेते हैं। इस विश्वास को 'अविश्वास' में बदलने का वक्त आ गया है। हरेक जानकारी को तब तक शक की नजर से देखें, जब तक आप खुद उसकी सच्चाई को लेकर संतुष्ट न हो जाएं। इतना ही नहीं, 'नीड टु नो' (जानने की जरूरत) के आधार पर अपनी जानकारी साझा करें। यानी, उसे ही अपने बारे में बताएं, जिन्हें आप जानते हैं। दुनिया भर में यह जाहिर करने की जरूरत नहीं है कि आपके कितने दोस्त हैं और किस पहर, कितने घंटे आप काम कर रहे हैं? चूंकि साइबर अपराधियों का मुख्य मकसद निजता का उल्लंघन करके नुकसान पहुंचाना होता है, इसलिए अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को सुरक्षित रखने के लिए फायरवॉल और एंटी-वायरस का जरूर इस्तेमाल करें। फायरवॉल का मकसद उपकरण के अंदर सुरक्षा की ऐसी दीवार बनाना है, जिसे यदि कोई भेदने की कोशिश करता है, तो यह न सिर्फ उसको रोकता है, बल्कि इसकी सूचना भी तत्काल दे देता है। फोन टैपिंग में भी किसी न किसी तरह से सॉफ्टवेयर को मोबाइल में 'इंस्टॉल' किया जाता है। यदि फायरवॉल मजबूत हो, तो इसकी हमें पहले ही सूचना मिल सकती है। अच्छी बात है कि इंटरनेट पर मुफ्त में फायरवॉल उपलब्ध हैं, जिनका हम इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी तरह, एंटी-वायरस भी हमारे डाटा को सुरक्षित रखता है। यह भी इंटरनेट पर मुफ्त में उपलब्ध है, लेकिन बेहतर एंटी-वायरस के लिए हमें पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। कोशिश करें कि कम से कम एप मोबाइल में रखें, क्योंकि हर एप एक जासूस का काम कर सकता है। वही एप डाउनलोड करें, जिसकी शर्तों से आप वाकिफ तो हों ही, उसकी 'प्राइवेसी पॉलिसी' व 'कंज्यूमर रिव्यू' भी आप बखूबी समझ रहे हों। यह समझना बहुत जरूरी है कि कोई भी एप हमें मुफ्त में विश्वस्तरीय सेवा नहीं देता, बल्कि इसके बदले में वह हमें अपना उत्पाद समझता है और हमारे डाटा का इस्तेमाल अपने हित में करता है। इलेक्ट्रॉनिक फुटप्रिंट (पद्चिह्न) भी स्पाईवेयर की खुराक होते हैं। यह वह 'धूल' है, जिसका इस्तेमाल करते हुए न सिर्फ सरकार और एजेंसियां हमें निशाना बना सकती हैं, बल्कि अपराधी भी हमें दबोच सकते हैं। इससे बचने के लिए हमें 'क्लीन टूल' का नियमित इस्तेमाल करना चाहिए। भारत अभी एक नई क्रांति से गुजर रहा है, जिसे 'द ग्रेट इंडियन वोमेटिंग रिवॉल्यूशन', यानी 'भारत की महान उल्टी क्रांति' कहा जा सकता है। आज हर व्यक्ति इंटरनेट और सोशल मीडिया के मंचों पर अपना डाटा उल्टी कर रह है। यही वजह है कि आजकल साइबर दुनिया से जुड़े वित्तीय अपराध बढ़ गए हैं। असल में, ज्यादातर लोग यह समझते ही नहीं कि 'एचटीटीपीएस' के साथ शुरू होने वाली वेबसाइटों से ही आर्थिक लेन-देन करना चाहिए, 'एचटीटीपी' के साथ नहीं। फर्जी वेबसाइटों से लेन-देन करते वक्त आपके क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जानकारी साइबर अपराधियों से साझा हो सकती है। यही वजह है कि फोन, कंप्यूटर आदि में महत्वपूर्ण सूचनाओं को 'सेव' न करने की सलाह दी जाती है। न्यू साइबर वर्ल्ड ऑर्डर पोस्ट कोविड-19 शीर्षक से प्रकाशित किताब में इस लेखक ने लिखा है कि जब दुनिया कोरोना महामारी पर विजय हासिल कर लेगी, तब साइबर की एक नई वैश्विक व्यवस्था से हम रूबरू होंगे। इसमें सरकारें बहुत ज्यादा शक्तिशाली हो जाएंगी और साइबर अपराध रोजमर्रा की घटना बन जाएंगे। जाहिर है, आम लोगों के डिजिटल और निजता के अधिकार पर जबर्दस्त प्रहार होने वाला है। इसलिए इस नए बदलते युग के लिए हम तैयार रहें। साइबर दुनिया में एक-दूसरे पर अविश्वास करना सीखें।

> **चूंकि साइबर अपराधियों का मुख्य मकसद निजता का उल्लंघन करके नुकसान पहुंचाना होता है, इसलिए अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को सुरक्षित रखने के लिए फायरवॉल और एंटी-वायरस का जरूर इस्तेमाल करें।**

जिस देश में गांधी जी ने नस्लवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी वहां गांधी के देशवासियों संग हो रहा घोर अन्याय

दक्षिण अफ्रीका में प्रताड़ित भारतवंशी

यह कितनी बड़ी विडंबना है कि जब भारत में दक्षिण अफ्रीका के मुक्ति योद्धा नेल्सन मंडेला की जयंती पर उनका स्मरण करने का उपक्रम हो रहा था, तब कई दक्षिण अफ्रीकी शहरों में भारतवंशियों पर हमले हो रहे थे। वहां बसे भारतीयों के घरों और दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका में 20 लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग हैं। भारतीय मूल के लोगों को जोहानिसबर्ग और क्वाजुलु नटाल में निशाना बनाया जा रहा है। आप पूछेंगे कि हिंसक तत्वों के निशाने पर भारतीय ही क्यों हैं? इसका जवाब जानना जरूरी है। यह सब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को 15 महीने कैद की सजा सुनाए जाने के बाद हुआ। जुमा पर 2009 और 2018 के बीच राष्ट्रपति पद पर रहते हुए सरकारी राजस्व में लूट-खसोट का आरोप है। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने भारत के उद्योगपति गुप्ता बंधुओं को खूब लाभ पहुंचाया। जिन अरबों रुपये के भ्रष्टाचार के मामलों में जुमा आरोपी हैं, उसी में गुप्ता बंधुओं का नाम भी शामिल है। आखिर जब जुमा पर दक्षिण अफ्रीकी कानूनों के तहत ही कार्रवाई की गई, तब वहां के भारतवंशियों के साथ ज्यादती करने का भला क्या तुक है? अफसोस होता है कि जिस देश में महात्मा गांधी ने अश्वेतों के हक और नस्लवाद के लिए खिलाफ लड़ाई लड़ी, वहां गांधी के देशवासियों संग घोर अन्याय हो रहा है। दक्षिण अफ्रीकी सरकार हिंसा को रोकने में कमजोर क्यों पड़ रही है? क्या वह भूल गई है कि उनके देश के सर्वकालिक महानतम नेता मंडेला स्वयं गांधी जी को अपना आदर्श मानते थे? मंडेला का भारत से आत्मीय संबंध था। वह लंबी जेल यात्रा से रिहा होने के बाद 1990 में दिल्ली आए थे। वह उनकी जेल से रिहा होने के बाद पहली विदेश यात्रा थी। भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित किया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंडेला के नाम पर एक मार्ग का नामकरण भी किया गया। मित्र राष्ट्र परस्पर सौहार्द के लिए एक-दूसरे के देशों के महापुरुषों, जननेताओं तथा राष्ट्राध्यक्षों के नामों पर अपने यहां सड़कों, पार्कों और संस्थानों के नाम रखते हैं। उसी परंपरा के अनुसार भारत सरकार ने भी एक खास सड़क का नामकरण किया। मंडेला 1995 में फिर भारत आए। उनके नाम पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 2004 में नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कनफ्लिट रिज्योलूशन की स्थापना की गई। इस केंद्र की स्थापना मुख्य रूप से इसलिए की गई, ताकि दुनिया भर में शांति और सद्भाव के लिए भारत के प्रयासों का गहराई से अध्ययन हो सके। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भी अफ्रीका अध्ययन केंद्र है। वहां नेल्सन मंडेला चेयर भी है।

> **भारत की ख्वाहिश रही है कि अफ्रीका के बाजार में भारत को और जगह मिले। भारत की समूचे अफ्रीका के प्रति सद्भावना को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में समझा ही नहीं गया। इसीलिए वहां भारतवंशी हमलों के शिकार हो रहे हैं। ये हमले फौरन थमने चाहिए।**

दिल्ली विश्वविद्यालय में 1954 से डिपार्टमेंट आफ अफ्रीकन स्टडीज सक्रिय है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के साथ फिलहाल जो कुछ हो रहा है, वह स्पष्ट है कि कुछ भारत विरोधी शक्तियां ही यह सब करवा रही है। भारत तो सभी 54 अफ्रीकी देशों से बेहतर संबंध स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। भारत अफ्रीका में बड़ा निवेशक है। अफ्रीका में टाटा, महिंद्रा, भारती एयरटेल, बजाज आटो, ओएनजीसी जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही है और लाखों अफ्रीकी नागरिकों को रोजगार भी दे रही हैं। भारती एयरटेल ने अफ्रीका के करीब 17 देशों में दूरसंचार क्षेत्र में 13 अरब डॉलर का निवेश किया है। भारतीय कंपनियों ने अफ्रीका में कोयला, लोहा और मैंगनीज खदानों के अधिग्रहण में भी अपनी रुचि दिखाई है। इसी तरह भारतीय कंपनियां दक्षिण अफ्रीकी कंपनियों से यूरेनियम और परमाणु प्रौद्योगिकी प्राप्त करने की राह देख रही है। अफ्रीकी कंपनियां एग्रो प्रोसेसिंग और कोल्ड चेन, पर्यटन एवं होटल और रिटेल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग कर रही हैं। कुछ समय पहले तक दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख शहरों में भारतीय कंपनियों के विशाल विज्ञापन होर्डिंग्स को प्रमुख चौराहों पर लगा हुआ देखा जा सकता था। अन्य अफ्रीकी देशों में भी भारत और भारतवंशी सक्रिय हैं। अंग्रेज 1896 से लेकर 1901 के बीच करीब 32 हजार मजदूरों को भारत के विभिन्न राज्यों से केन्या, तंजानिया, युगांडा लेकर गए थे। उन्हें केन्या में रेल पटरियां बिछाने के लिए ले जाया गया। पूर्वी अफ्रीका का समूचा रेल नेटवर्क पंजाब के लोगों ने ही विकसित किया। इन्होंने बेहद कठिन हालत में रेल नेटवर्क तैयार किया। उस दौर में गुजराती भी केन्या में आने लगे, लेकिन वे वहां कारोबार करने के इरादे से पहुंचे। रेलवे नेटवर्क का काम पूरा होने के बाद अधिकांश पंजाबी श्रमिक वहीं बस गए। अब तो पूर्वी अफ्रीका के हर बड़े छोटे शहर में भारतवंशी और उनके पूजा स्थल हैं। केन्या के तो तमाम बड़े शहरों जैसे नैरोबी और मोम्बासा में बहुत सारे मंदिर और गुरुद्वारे हैं। इन भारतवंशियों के चलते भी अफ्रीका में भारत को लेकर एक बेहतर माहौल रहा है। दक्षिण अफ्रीका की हिंसा पूर्वी अफ्रीका के इस माहौल को खराब करने का काम कर सकती है। भारत की ख्वाहिश रही है कि अफ्रीका के बाजार में भारत को और जगह मिले। भारत की समूचे अफ्रीका के प्रति सद्भावना को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में समझा ही नहीं गया। इसीलिए वहां भारतवंशी हमलों के शिकार हो रहे हैं। ये हमले फौरन थमने चाहिए। दक्षिण अफ्रीका की सरकार को हिंसक तत्वों से सख्ती से निपटना चाहिए। उन्हें अपने देश के भारतीय मूल के नागरिकों को सुरक्षा देनी होगी। इस माहौल में भारतीय विदेश मंत्रालय को भी चाहिए कि वह दक्षिण अफ्रीकी सरकार से राजनयिक स्तर पर इस मामले को और गंभीरता से उठाए ताकि भारतवंशियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। **-छगन लाल शर्मा**

सही साबित हुई आशंका

विपक्ष के लिए यह तय करना आवश्यक है कि वह अपने मसलों पर संसद में चर्चा करना चाहता या फिर हंगामा? यदि हंगामा होगा तो संसद में सरकार के जरूरी कामों में अड़ंगा लगेगा और ऐसा होने का मतलब है देश का नुकसान किया जाना। क्या विपक्ष यही चाहता है?

जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हंगामे से हुई और हंगामा भी ऐसा कि दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसका अंदेशा पहले से था कि विपक्ष हंगामा करेगा, लेकिन यह आभास नहीं था कि वह प्रधानमंत्री को अपने नए मंत्रियों का परिचय कराने का भी अवसर नहीं देगा। विपक्ष की ओर से उठाए गए मुद्दों की महत्ता से इन्कार नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री को अपने मंत्रियों को सदन से परिचित कराने का अवसर दिया जाना चाहिए था, क्योंकि यह एक परंपरा है और संसद को अपनी परंपराओं के पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। यदि इस परंपरा के निर्वहन के बाद विपक्ष अपनी बात कहता तो कोई देर या अंधेर होने वाली नहीं थी। विपक्ष ने हंगामा करने के लिए महंगाई, किसान आंदोलन आदि के अलावा जासूसी प्रकरण का भी सहारा लिया। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि यह मसला खासतौर पर विपक्ष को हंगामा करने के लिए उपलब्ध कराया गया। इसकी सुगबुगाहट दो-तीन दिनों से जारी थी कि संसद का मानसून सत्र शुरू होते ही मीडिया के एक हिस्से में ऐसा कुछ आएगा, जिससे विपक्ष को हंगामा करने में आसानी होगी। अंततः ऐसा ही हुआ। इस आशय की खबरें आईं कि एनएसओ नामक एक इजरायली कंपनी के पेगासस स्पाईवेयर के जरिये कुछ चुनिंदा लोगों की जासूसी की कोशिश की गई। हालांकि खबरें यही कहती हैं कि पेगासस के जरिये जासूसी करने की कोशिश की गई और यह स्पष्ट नहीं कि इसमें सफलता मिली या नहीं, लेकिन विपक्ष अपनी सुविधा के लिए इसी निष्कर्ष पर पहुंचा कि चुनिंदा लोगों के मोबाइल फोन की जानकारी हासिल की गई अथवा उनकी बातें गोपनीय रूप से सुनी गईं। बेहतर हो कि इस मामले को उछालने वाले पहले इस बारे में सुनिश्चित हो लें कि जासूसी की गई या नहीं? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सरकार के साथ संबंधित इजरायली कंपनी ने भी इससे इन्कार किया है कि पेगासस के जरिये भारत समेत अन्य देशों के खास लोगों की जासूसी की गई। यह मामला कुछ इसी रूप में पहले भी सामने आ चुका है और तब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सका था। कहीं इस मामले को सिर्फ सनसनी पैदा करने के लिए ही तो नए सिरे से नहीं उछाला गया? वस्तुस्थिति जो भी हो, विपक्ष के लिए यह तय करना आवश्यक है कि वह अपने मसलों पर संसद में चर्चा करना चाहता है या फिर हंगामा? निस्संदेह यदि हंगामा होगा तो संसद में सरकार के जरूरी कामों में अड़ंगा लगेगा और ऐसा होने का मतलब है देश का जानबूझकर नुकसान किया जाना। क्या विपक्ष यही चाहता है? **-डॉ. सुमनलता शर्मा**

अफगानिस्तान में तालिबानी वर्चस्व के खतरे

भारत तालिबान से संपर्क साधने की कोशिश में, लेकिन बेहतर होने की संभावनाएं बहुत कम

गांधार लगातार हुए मजहबी आक्रमण के फलस्वरूप आज कंधार बन गया

अफगान समस्या आखिर है क्या? अफगानिस्तान में भारत की क्या भूमिका है? आज ऐसे कई सवाल उभर आए हैं। अफगानिस्तान की विकास योजनाओं-सड़क, बांध, स्कूल, अस्पताल, संसद भवन आदि के निर्माण में हमारी भूमिका रही है। शांतिकाल में तो भारत अफगानों में बहुत लोकप्रिय है, लेकिन जब सत्ता के जमीनी समीकरण की बात आती है तो इस्लामिक अफगानिस्तान में हमारी कोई भूमिका नहीं बनती। रणनीति हमारे गांधीवादी नेतृत्व का विषय कभी रहा ही नहीं। जब पाकिस्तान अस्तित्व में आ गया तो हमारे पास अफगानिस्तान के लिए कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर ही एक रास्ता बचता था। उसके पाकिस्तान के पास जाने से वह रास्ता भी हाथ से निकल गया। पाकिस्तान से हुए युद्धों में हमारे पास गिलगित-बाल्टिस्तान को उसके कब्जे से मुक्त कराने के बड़े अवसर आए, पर न तो इच्छाशक्ति थी और न ही कोई रणनीतिक सोच। वरना आज चीन का सीपैक प्रोजेक्ट तो अस्तित्व में ही न आ पाता। अफगानिस्तान को देखने का दुनिया का और हमारा नजरिया अलग है। यह क्षेत्र जिसे हमारा इतिहास गांधार, कंबोज के नाम से जानता रहा है, भारत का ऐतिहासिक पश्चिमी प्रवेश द्वार था। हूण-कुषाण भी इन्हीं क्षेत्रों में आकर बसे। पर्वतीय दर्रों की सुरक्षा शताब्दियों से जिस गांधार का दायित्व रही, वह गांधार लगातार हुए मजहबी आक्रमण के फलस्वरूप आज कंधार बन गया। हमारी संस्कृति पर स्मृतिलोप का प्रभाव इतना भयंकर है कि हमें अपना भूला हुआ इतिहास भी याद नहीं आता। अफगानिस्तान और हमारे बीच दोनों देशों को विभाजित करने वाली ब्रिटिश औपनिवेशिक दौर की दो सीमा रेखाएं हैं। पहली तो डूरंड लाइन है, जो अफगानिस्तान और आज के पाकिस्तान की सीमा है। दूसरी रेडक्लिफ लाइन है, जो बंटवारे के दौर में मारे गए हिंदुस्तानियों के खून से नहाई पंजाब और सिंध से होकर खींची गई थी। अफगानिस्तान ने तो पहाड़ों से गुजरती पख्तून समाज को दो टुकड़ों में बांटने वाली इस रेखा को आज तक स्वीकार नहीं किया, मगर हमारे शासकों ने इस रेडक्लिफ लाइन को एक ऐसी रेखा मान लिया गया, जिसे बदलने का कोई समय जैसे कभी आएगा ही नहीं। आज अर्थहीन हो चुकी डूरंड रेखा मात्र पख्तूनों को बांटने के काम आ रही है। यही अफगानिस्तान की मूल समस्या है। हमारे नेताओं ने कभी महसूस ही नहीं किया कि हमारा अफगानिस्तान से जमीनी संपर्क होना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि अब वहीं से होकर पश्चिमोत्तर एशिया के लिए रास्ता जाता है। पाकिस्तान के कारण ईरान- इराक से संपर्क बाधित हो जाना हमारी एक बड़ी समस्या थी, लेकिन उस पर कभी गौर नहीं किया गया। भारत का बंटवारा अफगानिस्तान का दुर्भाग्य लेकर आया। वह अफगानिस्तान जो कभी एशिया का चौराहा हुआ करता था, आज एक अविकसित जिहादी इस्लामिक देश है। 9/11 के बाद से बेहद महंगी अमेरिकी जंग के बाद अब अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी हो रही है। अफगान सेनाएं अमेरिकी सेनाओं की पूरी वापसी से पहले ही मैदान छोड़ती दिख रही हैं। तालिबान लड़ाकों की रणनीतिक क्षमता इससे प्रकट हो रही है कि उन्होंने सबसे पहले काबुल के उत्तरी ताजिक, उजबेक और हजारा इलाकों में ही कब्जे का अभियान चलाया। देश के अधिकांश प्रवेश मार्गों पर उनका कब्जा हो गया है। ये नार्दर्न एलायंस के वे क्षेत्र हैं, जो आने वाली जंग में तालिबान के लिए बड़ी समस्या बनते। पाकिस्तानी सेना तालिबान के समर्थन में है। ताशकंद शांतिवार्ता में राष्ट्रपति गनी ने साफ आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर आतंकी भेज रहा है। हमारे विदेश मंत्री जयशंकर निकटवर्ती राजधानियों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन रूस समेत इन सभी देशों के विकल्प सीमित हैं। आशंकाओं के मद्देनजर भारत ने भी अपने राजनयिक बुला लिए हैं। हम तालिबान से संपर्क साधने की कोशिश में तो हैं, लेकिन कुछ बेहतर होने की संभावनाएं बहुत कम हैं। तेजी से वर्चस्व कायम कर रहा तालिबान काबुल सरकार से किसी समझौते की रेंज से दूर जा रहा है। तालिबान के वर्चस्व का परिणाम अफगानिस्तान और इस क्षेत्र के देशों के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा। अपने धार्मिक मिशन के तहत वे आसपास के देशों में जिहाद निर्यात करने वाली एक बड़ी एजेंसी बन जाएंगे। वे कश्मीर को भी लक्षित करने की कोशिश करेंगे। अमेरिकी रणनीति की सबसे बड़ी असफलता यह है कि वह इन 20 वर्षों में उत्तरी अफगानिस्तान के ताजिक-उजबेक-हजारा बहुल नार्दर्न एलायंस को अहमद शाह मसूद जैसा कोई सशक्त सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व नहीं दे सका, जबकि यह क्षेत्र एक अलग राजनीतिक पहचान की मांग करता है। आज अफगानिस्तान का संकट मूलतः उस औपनिवेशिक षड्यंत्र का परिणाम है, जिसमें अंग्रेजों ने अपना तात्कालिक हित देखते हुए डूरंड रेखा के जरिये पख्तून राष्ट्र को दो हिस्सों में विभाजित कर दिया। जब पाकिस्तान बना तो डूरंड रेखा के दक्षिण का पख्तून इलाका अनायास उसके पास आ गया। वैश्विक महाशक्तियों के राजनयिक इसे कभी समझ नहीं पाएंगे कि अफगानिस्तान की समस्या दरअसल पख्तून राष्ट्रवाद के नकार की समस्या है, जिसे इस्लामिक आवरण में छिपाए रखने की कोशिश हो रही है। मंजूर पश्तीन के पख्तून आंदोलन को खैबर पख्तूनख्वा में मिल रहा व्यापक समर्थन इसी पहचान के संकट को ही तो संबोधित कर रहा है। यह संकट डूरंड रेखा के दोनों ओर है। अफगानिस्तान की किसी सरकार ने यहां तक कि तालिबान ने भी आज तक डूरंड रेखा को मान्यता नहीं दी है। भारत का विभाजन तो सांप्रदायिक आधार पर हुआ, पर अफगानिस्तान में तो एक ही मजहब के पख्तून राष्ट्र को मात्र औपनिवेशिक वर्चस्व के लिए दो टुकड़ों में बांट दिया गया। उपनिवेशों के समापन के 75 वर्ष बाद भी अफगानिस्तान को उसका परिणाम भुगतने को क्यों बाध्य किया जा रहा है? एक सक्षम राष्ट्र के रूप में अफगानिस्तान का अस्तित्व उसे आतंकवाद की दिशाविहीनता से मुक्त कर देगा। विश्व के द्वारा पख्तून राष्ट्रवाद का स्वीकार ही वह राजनीतिक लक्ष्य है, जिसमें भारत की सक्रिय भूमिका बन सकती है। अफगानिस्तान की शांति और स्थिरता के लिए डूरंड के अभिशाप से पख्तून समाज की मुक्ति ही समाधान का एकमात्र मार्ग है। **-आनंद किशोर शर्मा**

न्यूज इन ब्रीफ

पांडोली ग्राम के विद्यालय में आयोजित हुई चाइल्ड़ लाईन की बैठक

चित्तौड़गढ़ (कासं)। सोमवार को महिला एंव बाल विकास मंत्रालय,भारत सरकार तथा चाइल्ड़ लाईन इण्डिया फ़ाउन्डेशन, नई दिल्ली के सहयोग सें श्री आसरा विकास संस्थान द्वारा संचालित चित्तौड़गढ़ चाइल्ड़ लाइन के निदेशक भोजराज सिंह ''पदमपुरा'' ने बताया कि जिला समन्वयक भूपेन्द्र सिंह ने सोमवार को जिले के माता जी की पांड़ोली ग्राम के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय के अध्यापकगणों के साथ एक बैठक आयोजित की जिसमें बच्चों से जुड़े मुद्दों पर बात हुई और हेल्प लाईन की जागरूकता पर चर्चा की गई।

सदभावना के सिपाही संगठन (समग्र जन

सेवा)कार्यालय का उद्घाटन!

जयपुर (कासं)। AIPCC के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजीव अरोड़ा द्वारा सदभावना के सिपाही संगठन (समग्र जन सेवा)के कार्यालय का उद्घाटन किया गया! इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक अलाउद्दीन आजाद जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव विमल यादव तथा मालवीय नगर विधानसभा काँग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष व पार्षद प्रत्याशी कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं समाज सेवी प्रबुद्धजन काफी संख्या में उपस्थित रहे! सद्भावना के सिपाही संगठन जयपुर शहर की टीम ने सभी आगन्तुक मेहमानों का स्वागत किया! इस अवसर पर अरोड़ा ने बताया कि जब भी कोई आपदा आती है तो हर संकट की घड़ी में सद्भावना के सिपाही सबसे पहले तैयार रहते है!

शिक्षा विभाग ने की अवैध कोचिंग संस्थान पर कार्यवाही

बाराँ (कासं)। छीपाबड़ौद के पंजाब कॉलोनी में संजय वाटला के मकान पर किराए से चलाए जा रहे कोचिंग संस्थान पर शिक्षा विभाग के अफसरों ने छापामार कार्यवाही की एसीबीओ भगवत किशोर नामदेव ने बताया कि कोरोनावायरस का उल्लंघन करते हुए कस्बे में यह कोचिंग संचालित की जा रही थी यहां 32 बच्चे एक छोटे कमरे में बिना मांस और बिना सोशल डिस्टेंसिंग के बैठे हुए थे यहां अभिषेक गुप्ता शिक्षण कार्य करा रहे थे उन्होंने बताया कि वह तीनों मित्र मयंक मित्तल और देवकीनंदन नागर मिलकर कोचिंग पढ़ाते हैं आज बच्चे एक साथ आ गए यहां समग्र शिक्षा के सूर्य प्रकाश शर्मा रतन सोनी मौजूद थे

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बाराँ (कासं)। मांगरोल बमोरी कला रोड पर सोमवार रात्रि को शिवम मैरिज हॉल के पास अज्ञात वाहन व बाइक की टक्कर होने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई पुलिस ने बताया कि मृतक महावीर सुमन 28 वर्ष पुत्र मांगीलाल निवासी माथना रावल जावल शादी में आया था शादी में शामिल होकर वापस अपने गांव माथना जा रहा था तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांगरोल में मृतक का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है

लाभांश वितरण किया

बाराँ (कासं)। डॉक्टर राधाकृष्णन प्राथमिक शिक्षक सहकारी समिति लिमिटेड 1192 बारां का 2016-17 तथा 17-18का लाभांश वितरण किया गया ।शिक्षक संघ राष्ट्रीय के ब्लॉक अध्यक्ष कन्हैया मेहता ने बताया कि सहकारी के उपाध्यक्ष विपिन जैन ने समरानियां क्षेत्र के शिक्षकों को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गदरेटा में लाभांश का वितरण किया इस दौरान बबलेश शर्मा,बालकृष्ण सेन,ख्यालीचन्द मेहता,सूरज मेहता ,महावीर मेघवाल मौजूद रहे !!

उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

बाराँ (कासं)। विद्युत इंटक अंता इकाई अध्यक्ष रवि मालव के नेतृत्व में इकाई पदाधिकारी सबडिवीजन कार्यालय में एकत्रित हुए। जहां पर संरक्षक जगदीश राठौर ने कर्मचारियों को बताया कि पिछले 2 दिन पहले दो पक्षों में आपसी रंजिश को लेकर मारपीट की घटना हुई थी ।जिसकी स्न्नङ्क्रमें बिजली कर्मचारी सत्यनारायण पंवार का भी गलत तरीके से नाम लिखवा दिया है जबकि लड़ाई झगडे के मामले में हमारे कर्मचारी का कोई लेना देना नहीं है। जिसको लेकर संगठन में रोष व्याप्त है।

अफसरों को बदलने की वजह तलाशने के लिए नीमच अफीम फैक्ट्री पहुंची कोटा एसीबी

बाराँ (कासं)। आईआरएस डॉ. शशांक यादव ने भ्रष्टाचार का सिंडिकेट बनाने के लिए नीमच का अतिरिक्त प्रभार मिलने के बाद अफीम फैक्ट्री का पूरा निजाम ही बदल डाला था। यादव नीमच में आने के पहले से पूरी रणनीति बनाकर आया और आने के कुछ दिनों बाद ही एक बड़ा बदलाव किया। इस बदलाव से फैक्ट्री के कर्मचारी और अधिकारी भी चौंक गए थे, क्योंकि उसने जिन लोगों को महत्वपूर्ण जगहों पर तैनाती दी थी उनमें से कई के खिलाफ पहले से भ्रष्टाचार के आरोप थे। यादव ने कोडिंग डिपार्टमेंट, प्रयोगशाला और मशीन विभाग के महत्वपूर्ण पदों पर अपने खास अधिकारियों को तैनात किया था। उसने तैनाती में मनमानी इसलिए की थी ताकि किसानों से करोड़ों रुपए आसानी से उगाहे जा सकें। एसीबी सूत्रों की मानें तो इस फैक्ट्री में जिन लोगों को तैनात किया गया, उनमें से कई अधिकारी ऐसे थे, जिनके दामन पर पहले से कोई न कोई दाग लगा था। ऐसे दागियों को फ्रंट लाइन में लाकर यादव ने संगठित भ्रष्टाचार की नींव रखी थी।

पूर्व विधायक न्यांगली ने की नरेगा का कार्य शुरू करने की मांग

सादुलपुर (कासं)। तहसील की ग्राम पंचायत कालाना ताल के गांव खारिया के ग्रामीणों ने पूर्व विधायक मनोज न्यांगली के नेतृत्व में पंचायत समिति के विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंप गांव में यथाशीघ्र नरेगा का कार्य शुरू करने की मांग की है 7 मंगलवार को गांव के विभिन्न लोगों ने पूर्व विधायक व बसपा महासचिव मनोज न्यांगली की अगवाई में पंचायत समिति कार्यालय पहुंचकर ग्रामीणों को नरेगा स्कीम के तहत रोजगार की मांग की 7 सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने अवगत करवाया कि ग्रामीण बार बार नरेगा का कार्य शुरू करवाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन प्रशासन गरीब मजदूर वर्ग की इस मांग की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है 7 कोरोना की इस महामारी में गरीब तबके का नरेगा ही एकमात्र रोजगार का साधन है 7 इस अवसर पर धर्मबीर खारिया,सतबीर,दरियासिंह,पप्पू देवी, संतोषदेवी, मोहरसिंह,बालादेवी,मंजू, जमना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे .

चारणाई में किया पौधरोपण

बाप (कासं)। बाप उपखण्ड की ग्राम पंचायत चारणाई के कब्रिस्तान में मंगलवार को 101पोधौ का रोपण किया गया। ग्राम विकास अधिकारी वकील चौधरी ने बताया कि जनप्रतिनिधियों व आमजन की उपस्थिति में पौधरोपण कर उनकी सार संभाल की जिम्मेवारी ली गई। इस मौके मोलवी रहमतुल्लाह, ननेऊ सरपंच मौहम्मद अली, मोलवी जमालुदीन, शमसुद्दीन देगावड़ी, मजीद दोस्ताना, रईस मेहर, मेहरदीन, मोबिन खान, दले खान, शकूर, गाजी खां, नियालदीन मोजुद रहे। सरपंच प्रतिनिधि मौलवी जमालुद्दीन ने आने वाले सभी मेहमानों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

अब मेवाड़ भी महक रहा है गुलाब की खेती से

किसानो ने किए खेती में नवाचार

एडीएम अम्बा लाल मीणा ने डूंगला तहसील के किसानो के फार्म पर भ्रमण

चित्तौड़गढ़ (कासं)। कृषि विज्ञान केन्द्र चित्तौड़गढ़ के प्रभारी डॉ. रतन लाल सोलंकी ने अतिरिक्त कलेक्टर भूमि अवाप्ति श्री अम्बा लाल मीणा को रविवार को डूंगला तहसील के घोड़ाखेड़ा, चिकारड़ा एवं सूजाखेड़ा आदि किसानो के फार्म पर भ्रमण कराया गया।

किसान श्री देवी लाल जाट् के फार्म पर भ्रमण किया डॉ. सोलंकी एवं प्रगतिशील कृषक श्री देवी लाल जाट ने जिला अतिरिक्त कलेक्टर महोदय को गुलाब के खेतो पर भ्रमण कराया गया जहां गुलाब महाकाया हुआ था साथ ही गुलाब के पौधो की नर्सरी भी देखी। अतिरिक्त कलेक्टर ने प्रगतिशील किसान श्री देवीलाल जाट ने बताया कि मेने कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्तौड़गढ़ एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के वैज्ञानिको से तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण लिये, तकनीकी से ही आज इस क्षेत्र के आसपास गुलाब की खेती को बढ़ावा मिला तथा मुझो महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के सहयोग से गुलाब की खेती, डेयरी एवं फसलोत्पादन की समन्वित तकनीकी से महिन्द्रा समृद्धी एग्री अवार्ड राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त हुआ एव फूलो की खेती की राष्ट्रीय कार्यशाला कोयम्ब्टुर में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ जिसमें मैने गुलाब उत्पादन नवाचार की सभा में चर्चा की जिसमें मुझे फूलो की खेती में उत्कृष्ट किसान अवार्ड का सम्मान मिला। देवीलाल ने बताया कि गुलाब के 1.0 हैक्टर बगीचे से प्रतिदिन 50-60 किलो गुलाब के फूल व पत्ती तोड़ रहे है। जिनको को विक्रय कर 1200-1500 रूपयें आय प्राप्त हो रही है। साथ ही गुलाब के पौधो की नर्सरी 30000 पौधे तैयार कर रखे है। जो अगले एक दो माह में बिक जायेगे। इस तरीके सें देवीलाल ने गुलाब से 6 लाख रूपये सालाना गुलाब पत्ती एवं पौधो से प्राप्त कर रहा है। जो जिले में फूलो की खेती को बढ़ावा देने के लिए एवं अन्य किसानो को प्रेरित करने का एक नवाचार है। जिससे किसानो का आय में भी इजाफा हो सकता है ।साथ ही अतिरिक्त कलेक्टर महोदय ने चिकारड़ा में कृषक विष्णु खण्डेवाल के वहां लगी प्रोसेसिंग इकाई में गुलाब से गुलकन्द एवं गुलाब जल तैयार करने की मशीनो का अवलोकन किया साथ ही तैयार गुलकन्द के विणणन के बारे में चर्चा की तो कृषक ने 100-150 रूपयें प्रतिकिलो गुलकन्द थोक में विक्रय होना बताया। साथ ही सूजाखेड़ा के कृषक गोपाल जाट के खेत पर पालीहाउस में खीरा ककड़ी एवं दूध संग्रह केन्द्र बी.एम.सी. का अवलोकन किया। गोपाल ने बताया कि 2000 वर्ग मीटर में पालीहास की स्थापना की प्रथम वर्ष में खीरा की बम्पर पैदावार के साथ 4.50 लाख रूपयें की शुद्ध आया होना बताया। इस प्रेरित होकर अन्य किसानो ने भी पालीहाउस लगाने हेतु आवेदन किया। साथ ही किसानो से चर्चा कर नवाचार एवं आधुनिक खेती की तकनीकी को ग्रहण कर कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग के विशेषज्ञो की सलाह को अपनाकर अपनी आय को बढ़ावा दे सकता है अर्थात किसान अपनी आय को दुगुनी कर सकता है।

रेलावन सरपंच के नेतृत्व में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के मामले को लेकर ग्रामीणों ने दीया उपखंड अधिकारी को ज्ञापन

बाराँ (कासं)। रेलावन ग्राम पंचायत के सरपंच रमेश फौजी के नेतृत्व में किशनगंज उपखंड अधिकारी को क्षेत्र में वन भूमि पर हो रहे अतिक्रमण में सुवाष के ग्राम

खंडेला खेड़ी दौलतपुर बाझ आमली, बांमदाह, रामपुरिया रुंडी, बाला खेड़ा, बडमान एवं और भी अन्य गांव की जंगलात की भूमि पर वहां के व्यक्तियों द्वारा उक्त वन भूमि पर पहले से ही अतिक्रमण कर खेती की जा रही है एवं नए व्यक्ति द्वारा भी वन भूमि पर अतिक्रमण कर खेती की जा रही है तथा वनभूमि पर अतिक्रमण हटाया जा कर भूमि को मुक्त कराई जाए।

रमेश फौजी ने बताया कि किसान पंचायत के सत्यनारायण सिंह द्वारा बताया गया कि जंगल खंडेला खेड़ी एवं बांमदा भूमी पर अतिक्रमण करना बताया जबकि पंचायत कि सभी जगह पर भूलकर व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। जिसका सत्यनारायण द्वारा जिक्र तक नहीं किया गया। ग्रामीणों ने वन विभाग की नई व पुरानी सभी जगह से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

महावीर इन्टरनेशनल देशना वीरा केन्द्र ने महिलाओं को वितरित किये पौष्टिक आहार किट

चितौडगढ़ (कासं)। महावीर इन्टरनेशनल देशना वीरा केन्द्र की अध्यक्षा वीरा सुनीता सिसोदिया ने बताया कि यशोदा परियोजना के अन्तर्गत प्रेगनेन्सी टू इन्फैंसी के तहत भीलों की झोपडी, कच्ची बस्ती गांधीनगर में 10 गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार किट वितरित किए गए। किट में मुख्यत: गुड, चना, दलिया, खोपरा, परमल, बिस्किट, मूंग, दाल, चावल आदि सामग्री थी। डिप्टी डायरेक्टर वीरा स्वाती छाजेड ने गर्भवती महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार एवं टीकाकरण की जानकारी दी। इस प्रोजेक्ट में वीरा कल्पना मेहता, अंजू कोठारी, आशा पोखरना, अनीता भडकत्या, सीमा भडकत्या, सीमा सिंघवी उपस्थित थे।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अंता द्वारा किया गया बंबुलिया कला विद्यालय का अवलोकन

बाराँ (कासं)। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अंता शशि मीणा द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बमूलिया कलां का शैक्षणिक अवलोकन किया गया। इस दौरान आईसीटी लैब निस्तारण, पोर्टफोलियो का निरीक्षण, अध्यापक दैनिक डायरी, किचन गार्डन, ई लर्निंग कार्यक्रम एवं अध्यापकों का मार्गदर्शन किया गया। सीबीईओ द्वारा सभी अध्यापकों के कार्यों को देखा गया और हर्ष प्रकट किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य मदनलाल सुमन, सहायक प्रशासनिक अधिकारी मनोज शर्मा, व्याख्याता रामसिंह गुर्जर, सुरेंद्र योगी, ललित मीणा, नमिता सुमन, वरिष्ठ लिपिक ओम शर्मा, गजेंद्र मेघवाल व सभी कार्मिक सहयोग में रहे।

पुलिस अधीक्षक ने ली शांति समिति की बैठक

बाराँ (कासं)। कस्बे में ईद उल अजहा पर्व को लेकर मंगलवार को थाने के बैठक हॉल में शांति समिति की बैठक शाहबाद पुलिस उपाधीक्षक कजोड़ मल की उपस्थिति में आयोजित की गई बैठक के दौरान थाना प्रभारी भगवानदास शर्मा ने बताया कि ईद उल अजहा पर्व को आपसी भाईचारे के साथ सादगी से मनाया जाए एवं सरकार द्वारा दी गई गाइडलाइन की पालना करें बैठक के दौरान समिति सदस्यों ने उप तहसील के सामने पेट्रोल पंप पर अवैध वाहनों का जमावड़ा लगा रहता एवं कई वाहन सप्ताह भर से ज्यादा दिनों तक खड़े रहते हैं जिससे दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है जिसे जल्द हटाने की मांग की.

हल्लाबोल जन सरोकार टीम की अपने सदस्य के जन्मदिन पर किया बृक्षारोपण।

धौलपुर (कासं)। मंगलवार को हल्लाबोल जन सरोकार मंच द्वारा टीम प्रमुख एडवोकेट प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में मंच के सदस्य देवेश सैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य

में श्री राधा कृष्ण आश्रम , मचकुंड रोड पर बृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्व प्रथम मंच प्रमुख एडवोकेट प्रमोद शर्मा ने देवेश सैन को माला पहनाकर बधाई व शुभकामनाएं दी व अशोक सिकरवार , ब्रजमोहन दीक्षित व लोकेश राजपूत ने मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम में नीम ,पीपल, बरगद, सीसम, अनार, आदि छायादार व फलदार के 11 बृक्ष लगाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडवोकेट प्रमोद शर्मा ने कहा कि हल्लाबोल जन सरोकार मंच ने पर्यावरण को बचाने और धौलपुर को हराभरा बनाने के लिए जन्मदिवस, शादी की वर्षगांठ आदि उत्सवों पर बृक्षारोपण करने की मुहिम चलाई जा रही है जिसके तहत अपनी टीम के सदस्य देवेश सैन के जन्मदिन पर बृक्षारोपण किया है। देवेश सैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मृतका की बहिन ने मंत्री से लगाई न्याय की गुहार

बाराँ (कासं)। अंता कस्बे के सीताबाड़ी रोड निवासी किरण राठौर आत्महत्या मामले में सोमवार को मृतका के परिजनों ने खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद भाया से न्याय की गुहार लगाई एन एच 27 पर मंत्री भाया को मृतका किरण राठौर की बहिन ज्योति राठौर ने दिए ज्ञापन में बताया कि मृतका ने उसे बताया था कि कस्बे निवासी हेमन्त भार्गव पुत्र जगदीश भार्गव उसे कई दिनों से मेसेज एवं काल करके परेशान कर रहा है।

उक्त आरोपी हमारे घर में तांत्रिक विद्या करने के बहाने आता रहता था और मृतका का हाथ भी देखता था और उसने घर में सुंदरकांड करवाने के लिए भी बोला था आरोपी ने उसकी बहिन का अश्लील वीडियो बना लिया था और वो उसे वायरल करने की धमकी देता रहता था जिससे उसकी बहिन ने पंखे से लटक कर आत्महत्या करली थी निष्पक्ष जांच कर सजा दिलाये-मृतका की बहिन ने मंत्री भाया को दिए ज्ञापन में बताया कि उक्त मामले में पुलिस को नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है मगर मामले में पुलिस ढील बरत रही है मृतका की बहिन ने मंत्री भाया से आरोपी हेमन्त भार्गव को कड़ी सजा दिलाये जाने की मांग की इस दौरान मंत्री प्रमोद भाया ने मामले में उचित कार्यवाही का भरोसा मृतका के परिजनों को दिलाया इस दौरान कांग्रेसी नेता चितरंजन पाठक सहित परिजन एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

सरपंच संघ प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक जयपुर में संपन्न हुई

बाराँ (कासं)। राजस्थान सरपंच संघ प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक जयपुर में 19 जुलाई सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल की अध्यक्षता संपन्न हुई बैठक में मुख्य रूप से सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल ,कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रोशन अली, संरक्षक भंवरलाल जानू, संयोजक गोविंद सिंह लांबा, प्रदेश प्रवक्ता रफीक पठान ,जय राम पलसानिया, लाला राम प्रदेश उपाध्यक्ष मेहर सिंह धनकड़ ,गोपाल शर्मा , हंसराज फागणा, अशोक कुमार सोलंकी ,अर्जुन सिंह गौड़, प्रदेश मंत्री राज सिंह चौधरी ,बाबूलाल मीणा, अर्जुन लाल यादव, वेद प्रकाश , तारा पूनिया आदि सदस्य मौजूद थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मीनापाड़ा पं.स. गंगापुर सिटी, जिला स.मा. (राज.)

क्रमांक: 08 दिनांक: 20.07.2021

ई-निविदा सूचना संख्या- Meenapada- 01/2021-22

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत प.स. गंगापुर सिटी की अधीनस्त ग्राम पंचायत नारायणपुर में ग्रामीण विकास/ पंचायतीराज (मनरेगा के अतिरिक्त) योजना में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए GST में पंजीकृत सक्षम अनुभव प्राप्त फर्मों से अथवा राजस्थान सरकार के निर्माण विभागों में सी-श्रेणी या उच्च श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नानुसार निविदा दरें दिनांक 29.07.2021 ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग-अलग) आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB-ZSM2122A0086
UBN-ZSM2122GLOB00094

सरपंच ग्राम पंचायत नारायणपुर — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत नारायणपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहचा पं.स. गंगापुर सिटी, जिला स.मा. (राज.)

क्रमांक: 03 दिनांक: 14.07.2021

ई-निविदा सूचना संख्या- Mohcha- 01/2021-22

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत प.स. गंगापुर सिटी की अधीनस्त ग्राम पंचायत मोहचा में ग्रामीण विकास/ पंचायतीराज (मनरेगा के अतिरिक्त) योजना में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए GST में पंजीकृत सक्षम अनुभव प्राप्त फर्मों से अथवा राजस्थान सरकार के निर्माण विभागों में सी-श्रेणी या उच्च श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नानुसार निविदा दरें दिनांक 29.07.2021 ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग-अलग) आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB-ZSM2122A0084
UBN-ZSM2122GLOB00092

सरपंच ग्राम पंचायत मोहचा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मोहचा

कार्यालय ग्राम पंचायत सेवा पं.स. गंगापुर सिटी, जिला स.मा. (राज.)

क्रमांक: 19 दिनांक: 19.07.2021

ई-निविदा सूचना संख्या- Sewa- 01/2021-22

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत प.स. गंगापुर सिटी की अधीनस्त ग्राम पंचायत सेवा में ग्रामीण विकास/ पंचायतीराज (मनरेगा के अतिरिक्त) योजना में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए GST में पंजीकृत सक्षम अनुभव प्राप्त फर्मों से अथवा राजस्थान सरकार के निर्माण विभागों में सी-श्रेणी या उच्च श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नानुसार निविदा दरें दिनांक 29.07.2021 ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग-अलग) आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB-ZSM2122A0083
UBN-ZSM2122GLOB00091

सरपंच ग्राम पंचायत सेवा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सेवा

कार्यालय ग्राम पंचायत नारायणपुर पं.स. गंगापुर सिटी, जिला स.मा. (राज.)

क्रमांक: 05 दिनांक: 20.07.2021

ई-निविदा सूचना संख्या- Narayanpur- 01/2021-22

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत प.स. गंगापुर सिटी की अधीनस्त ग्राम पंचायत नारायणपुर में ग्रामीण विकास/ पंचायतीराज (मनरेगा के अतिरिक्त) योजना में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए GST में पंजीकृत सक्षम अनुभव प्राप्त फर्मों से अथवा राजस्थान सरकार के निर्माण विभागों में सी-श्रेणी या उच्च श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नानुसार निविदा दरें दिनांक 29.07.2021 ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग-अलग) आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB-ZSM2122A0085
UBN-ZSM2122GLOB00093

सरपंच ग्राम पंचायत नारायणपुर — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत नारायणपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत फुलवाड़ा पं.स. गंगापुर सिटी, जिला स.मा. (राज.)

क्रमांक: 19 दिनांक: 19.07.2021

ई-निविदा सूचना संख्या- Fulwada- 01/2021-22

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत प.स. गंगापुर सिटी की अधीनस्त ग्राम पंचायत फुलवाड़ा में ग्रामीण विकास/ पंचायतीराज (मनरेगा के अतिरिक्त) योजना में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए GST में पंजीकृत सक्षम अनुभव प्राप्त फर्मों से अथवा राजस्थान सरकार के निर्माण विभागों में सी-श्रेणी या उच्च श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नानुसार निविदा दरें दिनांक 29.07.2021 ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग-अलग) आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB-ZSM2122A0082
UBN-ZSM2122GLOB00090

सरपंच ग्राम पंचायत फुलवाड़ा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत फुलवाड़ा

कार्यालय ग्राम पंचायत बिदरख्या पं.स. गंगापुर सिटी, जिला स.मा. (राज.)

क्रमांक: 01 दिनांक: 19.07.2021

ई-निविदा सूचना संख्या- Bidarkhya- 01/2021-22

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत प.स. गंगापुर सिटी की अधीनस्त ग्राम पंचायत बिदरख्या में ग्रामीण विकास/ पंचायतीराज (मनरेगा के अतिरिक्त) योजना में स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु आनुसांगिक सामग्री आपूर्ति के लिए GST में पंजीकृत सक्षम अनुभव प्राप्त फर्मों से अथवा राजस्थान सरकार के निर्माण विभागों में सी-श्रेणी या उच्च श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नानुसार निविदा दरें दिनांक 29.07.2021 ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय (तकनिकी एवं वित्तीय अलग-अलग) आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB-ZSM2122A0081
UBN-ZSM2122GLOB00089

सरपंच ग्राम पंचायत बिदरख्या — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बिदरख्या

सार समाचार

जरूरतमंद छात्रा रंजीता बारी को साइकिल भेंट की गई

जयपुर (कासं)। रंजीता बारी मेधावी है आगे डॉक्टर बनना चाहती है. रंजीता कई National- International Level के Educational प्रतियोगिताओं में

जीत चुकी है. जिसमें USA द्वारा आयोजित International Art E&hibition में 9th स्थान, International Mathematics Competition में Certificate of Achievement, महात्मा गांधी किशोर प्रतिभा सम्मान -2019 आदि जीत चुकी है । राजस्थान प्रदेश के अलावा संस्था देश भर में जरूरतमंद विद्यार्थियों को चिन्हित कर शिक्षा में मदद कर रही है ।जहां झारखंड की रंजीता बारी को स्कूल जाने के लिए एक साइकिल दी गई है ।इसी तरह बिहार के चौसा की प्रेरणा कुमारी, मध्यप्रदेश के नीमच की आयुषी, महाराष्ट्र के अमरावती के मोहम्मद कैफ़ , दिल्ली के रोहित को भी शिक्षा सहायता उपलब्ध करवायी गई है ।

सरकारी पाल को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग, मेडिया के ग्रामीणों ने दिया एसडीएम को ज्ञापन

ब्यावर (कासं)। निकटवर्ती ग्राम मेडिया के ग्रामीणों ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी को एक ज्ञापन देकर सरकारी पाल को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग की है। साथ ही ग्रामीणों ने पाल पर पुन- नरेगा कार्य शुरू करवाने की मांग की है ताकि ग्रामीणों को रोजगार मिल सके। एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत मेडिया के ग्राम मकरेडा में 35 वर्ष पुरानी सार्वजनिक देवजी की नाडी विद्यमान चली आ रही है। करीब 2 वर्ष पूर्व उक्त नाडी पर 40 लाख रुपए की लागत से पक्की दीवार का निर्माण करवाया गया है। लेकिन सरकारी रिकार्ड के अभाव में पाल के पास स्थित खातेदार रेहमत पुत्र नजीर, अशराफ पुत्र भंवरू, सुलेमान पुत्र नैनू रूपनगर, जमील पुत्र लाडू, सलीम पुत्र पांचू तथा हाकम पुत्र अम्मी द्वारा पाल पर कब्जा कर रखा है जबकि पाल के पीछे करीब 15 फुट लम्बा रास्ता पूर्व मे ही छोड़ा गया था। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत मेडिया द्वारा नरेगा कार्य के लिए करीब 10 लाख 499 रुपए का बजट स्वीकृत हुआ है लेकिन नरेगा कार्य शुरू होते ही कब्जाधारियों द्वारा प्रशासन को झूंठी शिकायत देकर गुमराह किया जा रहा है।

शाहाबाद के बीलखेड़ा मटियाखारा में 1 घंटे झमाझम बारिश

शाहाबाद(कासं)। उपखंड क्षेत्र में मौसम की बेरुखी के चलते कई दिनों से अच्छी बारिश नहीं हुई थी। कई किसानों की फसलें सूख गई थी तो कई किसानों ने दोबारा बुवाई करके खेतो में बीज डाले हैं। लेकिन अब धीरे-धीरे बारिश का दौर शुरू हो गया है। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। मंगलवार को बील खेड़ा डांग, मटियाखारा, चोराखाड़ी सहित आसपास के जंगलों में झमाझम बारिश हुई । जिसके चलते जंगलों से निकलने वाली नदियों में पानी का बहाव शुरू हो गया। इस बर्ष पहली बार नदी में पानी का बहाव आया। जिससे लोगों को राहत मिली । लोगों का कहना है कि इसी तरह की बारिश देवरी सहित अन्य कस्बो और गांव में भी हो तो लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिलेगी। साथ ही फसलों को भी लाभ होगा। गोयरा गांव के रास्ते से होकर बहने वाली जलधारा नदी की रपट पर 2 फिट पानी की चादर चली। जिसको लोग अपनी जान जोखिम में डालकर रपट पार करते नजर आए।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति रिपुसुदन सिंह पुत्र श्री बने सिंह के नाम से एक ट्रेक्टर पंजीकृत है। जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ25 RA 2521 है। मेरे पति रिपुसुदन सिंह का स्वर्गवास हो चुका है। अब मैं इस ट्रैक्टर को अपने नाम हस्तान्तरण करवा रही हूँ। अत: किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिवस में जिला परिवहन अधिकारी, सवाईमाधोपुर में सूचित करें।

शांति पत्नी स्व. श्री रिपुसुदन सिंह, वजीरपुर, जिला, सवाईमाधोपुर।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति गिर्राज मीना पुत्र नारायण मीना के नाम से एक ट्रैक्टर पंजीकृत है। जिसका रजिस्ट्रेशन नं. RS25 RA 5335 है। मेरे पति गिर्राज मीना का स्वर्गव

आभास कुमार गांगुली से किशोर 'दा' बनने का सफर कुछ ऐसा रहा..

.. बीच राह में दिलबर बिछड़ जाये कहीं हम अगर और सूनी सी लगे तुम्हें जीवन की ये डगर हम लौट आयेगें तुम यूंही बुलाते रहना

कभी अलविदा ना कहना...

जिंदगी के अनजाने सफर से बेहद प्यार करने वाले हिन्दी सिने जगत के महान पार्श्वगायक किशोर कुमार का नजरिया उनके गाये इन पंक्तियों में समाया हुआ है।

मध्यप्रदेश के खंडवा में 04 अगस्त 1929 को मध्यवर्गीय बंगाली परिवार में अधिवक्ता कुंजी लाल गांगुली के घर जब सबसे छोटे से बच्चे ने जन्म लिया तो कौन जानता था कि आगे चलकर यह बच्चा अपने देश और परिवार का नाम रौशन करेगा।भाई बहनों में सबसे छोटे नटखट आभास कुमार गांगुली उर्फ किशोर कुमार का रूझान बचपन से ही पिता के पेशे वकालत की तरफ न होकर संगीत की ओर था।महान अभिनेता एवं गायक के.एल.सहगल के गानो से प्रभावित किशोर कुमार उनकी ही तरह के गायक बनना चाहते थे। सहगल से मिलने की चाह लिये किशोर कुमार 18 वर्ष की उम्र मे मुंबई पहुंचे लेकिन उनकी इच्छा पूरी नहीं हो पायी। उस समय तक उनके बड़े भाई अशोक कुमार बतौर अभिनेता अपनी पहचान बना चुके थे।अशोक कुमार चाहते थे कि किशोर नायक के रूप मे अपनी पहचान बनाये लेकिन खुद किशोर कुमार को अदाकारी की बजाय पार्श्व गायक बनने की चाह थी। जबकि उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा कभी किसी से नही ली थी और बॉलीवुड में अशोक कुमार की पहचान के कारण उन्हें बतौर अभिनेता काम मिल रहा था।अपनी इच्छा के विपरीत किशोर कुमार ने अभिनय करना जारी रखा। जिन फिल्मों में वह बतौर कलाकार काम किया करते थे उन्हें उस फिल्म में गाने का भी मौका मिल जाया करता था। किशोर कुमार की आवाज सहगल से काफी हद तक मेल खाती थी। बतौर गायक सबसे पहले उन्हें वर्ष 1948 में बाम्बे टॉकीज की फिल्म जिद्दी में सहगल के अंदाज मे हीं अभिनेता देवानंद के लिये %मरने की दुआएं क्यूं मांगू% गाने का मौका मिला।

किशोर कुमार ने वर्ष 1951 मे बतौर मुख्य अभिनेता फिल्म आन्दोलन से अपने करियर की शुरुआत की लेकिन इस फिल्म से दर्शकों के बीच वह अपनी पहचान नहीं बना सके। वर्ष 1953 मे प्रदर्शित फिल्म लड़की बतौर अभिनेता उनके कैरियर की पहली हिट फिल्म थी। इसके बाद बतौर अभिनेता भी किशोर कुमार ने अपनी फिल्मों के जरिये दर्शको का भरपूर मनोरंजन किया।किशोर कुमार ने 1964 मे फिल्म दूर गगन की छांव में के जरिये निदेर्शन के क्षेत्र मे कदम रखने के बाद हम दो डाकू, दूर का राही, बढ़ती का नाम दाढ़ी, शाबास डैडी, दूर वादियों मे कहीं, चलती का नाम जिंदगी और ममता की छांव में जैसी कई फिल्मों का निदेर्शन भी किया।निदेर्शन के अलावा उन्होनें कई फिल्मों मे संगीत भी दिया जिनमें झुमरू, दूर गगन की छांव में, दूर का राही, जमीन-आसमान और ममता की छांव में जैसी फिल्में शामिल है। बतौर निमार्ता किशोर कुमार ने दूर गगन की छांव में और दूर का राही जैसी फिल्में भी बनायीं।

किशोर कुमार को अपने करियर में वह दौर भी देखना पडा जब उन्हें फिल्मों में काम ही नहीं मिलता था। तब वह स्टेज पर कार्यक्रम पेश करके अपना जीवन यापन करने को मजबूर थे। मुंबई में आयोजित एक ऐसे ही स्टेज कार्यक्रम के दौरान संगीतकार ओ.पी.नैय्यर ने जब उनका गाना सुना तो उन्होंने भावविह्वल होकर कहा, महान प्रतिभाए तो अक्सर जन्म लेती रहती हैं लेकिन किशोर कुमार जैसा पार्श्वगायक हजार वर्ष में केवल एक ही बार जन्म लेता है।% उनके इस कथन का उनके साथ बैठी पार्श्वगायिका आशा भोंसले ने भी समर्थन दिया।

और वो खंडवा लौटने का वो सपना जो अधूरा रह गया...

वर्ष 1969 मे निमार्ता निदेर्शक शक्ति सामंत की फिल्म आराधना के जरिये किशोर कुमार गायकी के दुनिया के बेताज बादशाह बने लेकिन दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के आरंभ के समय संगीतकार सचिन देव वर्मन चाहते थे सभी गाने किसी एक गायक से न गवाकर दो गायकों से गवाएं जाएं। बाद में सचिन देव वर्मन की बीमारी के कारण फिल्म आराधना में उनके पुत्र आर.डी.बर्मन ने संगीत दिया। %मेरे सपनों की रानी कब आयेगी तू% और %रूप तेरा मस्ताना% गाना किशोर कुमार ने गाया जो बेहद पसंद किया गया।रूप तेरा मस्ताना% गाने के लिये किशोर कुमार को बतौर गायक पहला फिल्म फेयर पुरस्कार मिला। इसके साथ ही फिल्म आराधना के जरिये वह उन ऊंचाइयों पर पहुंच गये जिसके लिये वह सपनों के शहर मुंबई आये थे।

हरदिल अजीज कलाकार किशोर कुमार कई बार विवादों का भी शिकार हुए। वर्ष 1975 में देश में लगाये गये आपातकाल के दौरान दिल्ली में एक सांस्कृतिक आयोजन में उन्हें गाने का न्यौता मिला। किशोर कुमार नेपारिश्रमिक मांगा तो आकाशवाणी और दूरदर्शन पर उनके गायन को प्रतिबंधित कर दिया गया। आपातकाल हटने के बाद पांच जनवरी 1977 को उनका पहला गाना बजा दुखी मन मेरा सुनो मेरा कहना, जहां नहीं चैना वहां नहीं रहना।

किशोर कुमार को उनके गाये गीतों के लिये 8 बार फिल्म फेयर पुरस्कार मिला। किशोर कुमार ने अपने पूरे फिल्मी करियर मे 600 से भी अधिक हिन्दी फिल्मों के लिये अपना स्वर दिया। उन्होंने बंगला, मराठी, आसामी गुजराती, कन्नड़, भोजपुरी और उड़िया फिल्मों में भी अपनी दिलकश आवाज के जरिये श्रोताओं को भाव विभोर किया।किशोर कुमार ने कई अभिनेताओ को अपनी आवाज दी लेकिन कुछ मौकों पर मोहम्मद रफी ने उनके लिये गीत गाये थे। इन गीतो में %हमें कोई गम है तुम्हें कोई गम है मोहब्बत कर जरा नहीं डर%, %चले हो कहां कर के जी बेकरार%, %भागमभाग%, %आदत है सबको सलाम करना% इत्यादि शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि मोहम्मद रफी किशोर कुमार के लिये गाये गीतों के लिये महज एक रूपया पारिश्रमिक लिया करते थे। वर्ष 1987 मे किशोर कुमार ने निर्णय लिया कि वह फिल्मों से संन्यास लेने के बाद वापस अपने गांव खंडवा लौट जायेंगे। वह अक्सर कहा करते थें कि ..दूध जलेबी खायेंगे खंडवा

बाबूमोशाय बन्दूकबाज में 48 कट्स के आदेश से गुस्साए नवाजुद्दीन ने यह कहा

फिल्म लिपस्टिक अंडर माय बुर्का और जब हैरी मेट सेजल में अपनी कैंची चलाने के विवाद के बाद सेंसर बोर्ड के प्रमुख पहलाज निहलानी एक बार फिर विवादों में हैं। ताजा मामला नवाजुद्दीन सिद्दीकी स्टारर फिल्म बाबूमोशाय बन्दूकबाज को लेकर है। नवाज की इस फिल्म में बोर्ड ने 48 सीन काटने के बाद फिल्म को रिलीज़ करने का आदेश दिया है।फिल्म को लेकर आई इस खबर के बाद बातचीत ने फिल्म के अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, मुझे भी बस अभी-अभी ही पता चला है कि ष्टक्क्स्नष्ट ने हमारी फिल्म को 48 कट दिए हैं। यह बात मेरे लिए शॉकिंग हैं। 48 कट के बाद हमारी पिक्चर ही खत्म हो जाएगी, समझ नहीं आ रहा कि फिल्म बचेगी क्या? इससे तो बेहतर यही होता कि हम कोई शॉर्ट फिल्म बना कर रिलीज़ करते तो ज्यादा अच्छा होता, फिल्म बनाने में हमने बहुत मेहनत की है।नवाज आगे कहते हैं, %अब आगे क्या करेंगे... अभी इतनी जल्दी कुछ समझ में नहीं आ रहा लेकिन अब रास्ता और विश्वास है कि हम इस फिल्म को ट्राइब्यूनल में लेकर जाएं। मैं मानता हूं हमारी फिल्म जरूर थोड़ी वीयर्ड है और डिफरेंट हैं लेकिन लोगों को इस फिल्म में नयापन नजर आएगा। फिल्म में बहुत अच्छे-अच्छे और कमाल के ऐक्टर्स हैं जो बहुत ज्यादा निराश हो जाएंगे। कुशान नंदी के निर्देशन में तैयार इस फिल्म को सेंसर के पास सर्टिफिकेट के लिए भेजा गया था लेकिन सेंसर ने फिल्म में 48 कट लगाने का फरमान सुना दिया है। यही नहीं सेंसर ने न सिर्फ इस फिल्म के निर्माताओं को 48 कट्स लगाने को कहा बल्कि स्क्रीनिंग कमिटी के सदस्यों ने फिल्म के विषय और कपड़ों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी भी की। जब से यह खबर आई है फिल्म से जुड़े लोग नाराज हैं और बुधवार को मुंबई में इंडियन फिल्मस ऐंड टीवी डायरेक्टर्स असोसिएशन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है, जिसमें वह सारी बातों की जानकारी देंगे।फिल्म में नवाज बाबू नाम के एक शूटर के रोल में नजर आएंगे, जिसे देखकर आपको %गैंग्स ऑफ वासेपुर% के फैजल की याद जरूर आ जाएगी। फिल्म की कहानी नवाज के दोस्तों, दुश्मनों, उसके प्यार और बदले के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में नवाज के अलावा दिव्या दत्ता, बिदिता बाग, मुरली शर्मा, जतिन गोस्वामी, श्रद्धा दास, अनिल जॉर्ज, जीतू शिवारे और भगवान तिवारी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 25 अगस्त को रिलीज होगी।

कैटरीना कैफ का मोरक्को में एक नया और बोल्ड पैशन

इंटरनेशनल इंडियन फ़िल्म अकादमी (आईफा) अवार्ड्स 2017 में प्रस्तुति देने और न्यूयॉर्क में अपना जन्मदिन मनाने (विस्तृत जानकारी के लिये यहाँ पढ़ें) के बाद जग्गा जासूस की यह सम्मोहक अभिनेत्री जेट प्लेन से सीधे उत्तर-अफ्रीकी देश मोरक्को गई, सलमान खान के साथ अपनी अगली

फ़िल्म टाइगर ज़िन्दा है की शूटिंग के लिये। अपने पेशेवर अंदाज़ के लिये प्रसिद्ध कैटरीना कैफ ने कुछ अच्छे काम के लिये इस सुंदर अरेबियन देश में खाली समय भी निकाल लिया है। मोरक्को के एक समुद्रतट वाले शहर, इसोइरा के रमणीय स्थानों पर शूटिंग के अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद कैटरीना ने सर्फिंग के लिये समय निकाल लिया है।हम सभी जानते हैं कि लहरों पर सर्फिंग करने के लिये ज़िंदादिल होना बहुत जरूरी है और निश्चित रूप से कैटरीना के पास वह ज़िंदादिली है। कैटरीना एक लंबे समय से सर्फिंग करना चाह रही थीं और जब उन्हें लगा कि उनके पास इसके लिये खाली समय है, तब ठग्स ऑफ हिन्दुस्तान की इस अभिनेत्री ने इसोइरा के एक काइट, सर्फ एण्ड वाइंडसर्फ सेंटर एक्सप्लोरा वाटरस्पोर्ट्स में सर्फिंग के शुरूआती गुर सीखने के लिये साइन किया।कैटरीना ने अपने रोमांचक अनुभव को इंस्टाग्राम हैण्डल पर शेयर किया, जिसका कैप्शन था, ''फर्स्ट टाइम सर्फिंग इन इसोइरा''।दिलचस्प बात यह है कि इस वीडियो में कैट कुछ डरी हुई दिखाई दे रही हैं, लेकिन सर्फिंग के हर पल का आनंद ले रही हैं। एक्सप्लोरा वाटरस्पोर्ट्स के अकाउंट से भी इंस्टाग्राम पर कैट की एक तस्वीर पोस्ट की गई है, जिसमें लिखा है, ''शायद यह बॉलीवुड स्टार अपना कैरियर छोड़कर सर्फिंग में हाथ आजमा रही है।''इतना ही नहीं, कैटरीना इसोइरा के सुंदर समुद्रतट की उफनती लहरों पर बार-बार राइड कर रही हैं। शानदार सर्फिंग गियर पहनी कैटरीना लहरों पर भी वैसे ही राज कर रही हैं, जैसा कि बॉलीवुड में उनका जलवा है।हमें तो उनका यह प्ले बोल्ड एटिट्यूड पसंद आया, आपको भी अच्छा लगा क्या?

बाहुबली की एक्ट्रेस के बाद अब कोएना मित्रा भी हुई सेक्सुअल हैरेसमेंट की शिकार

बाहुबली फेम स्कारलेट विल्शन के बाद अब बॉलीवुड की एक और एक्ट्रेस हैरेसमेंट का शिकार हुई। हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस कोएना मित्रा की जो पिछले कई दिनों से एक अनजान नंबर से आ रही गंदी फोन कॉल्स की वजह से परेशान हैं। इस मामले में उन्होंने मुंबई के ओशीवारा पुलिस स्टेशन में यौन उत्पीड़न का केस भी दर्ज कराया है। पुलिस ने आईपीसी की धारा 509 के तहत ये मामला दर्ज किया है।एक इंग्लिश डेली की रिपोर्ट के अनुसार कोएना को 26 जुलाई को कई अनचाहे कॉल आई। फोन करने वाले शख्स ने उनसे साथ एक रात बिताने की भी बात कही। शुरुआत में उन्होंने इसे नजरअंदाज किया, लेकिन जब 26 जुलाई को उन्होंने पहली कॉल रिसीव की तो उसके बाद लगातार कॉल करने वाला शख्स उन्हें नाइट आउट के लिए बोलने लगा।पिछले कुछ दिनों में उसी नंबर से करीब 40 से 50 कॉल आ चुकी हैं। कॉलर बेहद गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहा था। साथ ही उसने कोएना को पैसों का ऑफर भी दिया। जिसके बाद पुलिस ने ये मामला साइबर सेल को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू हो गई है। जिस नंबर से फोन किया गया है उसकी लोकेशन का पता लगया जा रहा है। साल 2002 में फिल्म रोड के एक आइटम नंबर से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली कोएना ने मुसाफिर, मनी है तो हनी है और डार्क रोमांस जैसी फिल्मों में भी काम किया हैं।

सबसे ज्यादा कमाई वाली एक्ट्रेस बनीं एमा स्टोन

छह ऑस्कर अवॉर्ड जीतने वाली फिल्म 'ला ला लैंड' की लीड एक्ट्रेस एमा स्टोन को फोर्ब्स मैगजीन ने दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस घोषित किया है । 28 साल की इस हॉलीवुड एक्ट्रेस ने पिछले एक साल में 2.6 करोड़ डॉलर (166.4 करोड़ रुपए) कमाए हैं।एमा स्टोन ला ला लैंड में बेहतरीन अभिनय के लिए सराही गई थीं। उन्होंने इस साल जेंडर इक्वेलिटी के लिए भी आवाज उठाई थी। एमा स्टोन ने बताया था कि उनके मेल स्टार की सेलेरी कट की गई थी, ताकि एमा और उन्हें बराबर सेलेरी मिल सके।इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जेनिफर एनिस्टन हैं। उन्होंने पिछले एक साल में 2.55 करोड़ डॉलर कमाए हैं। वे अमेरिकन सिटकॉम फ्रेंड्स से लगातार रॉयल्टी पा रही हैं। ड्रामा फिल्म 'द यलो बर्ड' में भी नजर आईं। इसके अलावा वे अमीरात एयरलाइन्स की ब्रैंड एम्बेसडर भी हैं। इस लिस्ट में जेनिफर लॉरेंस तीसरे नंबर पर आ गई हैं, जबकि पिछले दो सालों से वे टॉप पर बनी हुई थीं। लॉरेंस ने पिछले एक साल में 2.4 करोड़ डॉलर कमाए हैं। ये उस रकम से ठीक आधा है, जो उन्होंने 2016 में कमाई थी। 2016 में उन्होंने 4.6 करोड़ डॉलर कमाए थे। एमा की फिल्म ने दुनियाभर में 445 मिलियन डॉलर का कारोबार किया है। इस फिल्म के लिए एमा ने कई ऑडिशन दिए थे। ला ला लैंड को ऑस्कर अवॉर्ड में 14 नॉमिनेशन मिले थे। एमा हॉलीवुड में मेल और फीमेल एक्ट्रेस को एक जैसी फीस देने के लिए आवाज उठा रही हैं। वे कई मौकों पर यह मांग कर चुकी हैं।

सार समाचार

लीचोबाम की अवैध हिरासत के लिए मुआवजे की मांग, नोटिस जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर के राजनीतिक कार्यकर्ता लीचोबाम एरेंड्रो को अवैध तरीके से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में रखे जाने के लिए मुआवजे की मांग पर संबंधित पक्ष से मंगलवार को जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और एमआर शाह की खंडपीठ ने एरेंड्रो की याचिका पर सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए और दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने खंडपीठ को अवगत कराया कि एरेंड्रो को रिहा कर दिया गया है और अब इस मामले पर पूर्णविराम लगा दिया जाना चाहिए। एरेंड्रो की ओर से पेश वकील शदन फरासत ने गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में रखने के लिए मुआवजे की मांग की, जिस पर न्यायालय ने संबंधित पक्ष से जवाब तलब किया। वकील ने कहा कि एरेंड्रो के खिलाफ पांच मामले दायर किए गए थे, लेकिन इनमें से किसी में भी आरोप पत्र नहीं दायर किए गए हैं।

असम की डॉक्टर एक साथ कोरोना के दो स्वरूपों से संक्रमित

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के डिब्रूगढ़ जिले में ऐसा एक पहला मामला सामने आया है, जहां महिला डॉक्टर एक ही समय में कोरोना के दो स्वरुपों कोरोना-अल्फा और डेल्टा से संक्रमित पाई गई हैं। डॉक्टर के संक्रमित होने का खुलासा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के डिब्रूगढ़ स्थित क्षेत्रीय मेडिकल अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) की ओर से की गई जांच में हुआ है। डॉक्टर ने कोरोना टीके के दोनों डोज भी लगवा रखे थे, लेकिन दूसरा डोज लेने के एक माह बाद वह दोनों वेरिएंट से संक्रमित पाई गईं। डॉक्टर में वायरस के हल्के लक्षण पाए गए व वह अस्पताल में भर्ती हुए बिना स्वस्थ हो गईं।

मणिपुर कांग्रेस अध्यक्ष का पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के बाद अब मणिपुर में कांग्रेस संकट में आ गई है। मणिपुर में कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए पार्टी प्रदेश अध्यक्ष गोविंददास कोंथोजम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। गोविंददास कोंथोजम की गिनती राज्य के दिग्गज नेताओं में होती है। उनका इस्तीफा मणिपुर कांग्रेस के अंदर खतरे की आहट है। पिछले साल उपमुख्यमंत्री समेत 9 विधायकों के समर्थन वापसी के बाद भाजपा सरकार संकट में आ गई थी। एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से 17 जून 2020 को डिप्टी सीएम सहित 9 विधायकों ने समर्थन वापस ले लिया था। कांग्रेस के 8 विधायक मुख्यमंत्री द्वारा लाए गए विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ पार्टी द्वारा व्हिप जारी करने के बावजूद विधानसभा की कार्रवाई से दूर रहे। सरकार को विधानसभा के पटल पर एनपीपी के 4 विधायकों सहित 28 सदस्यों का समर्थन मिला हुआ था। वर्तमान में राज्य सरकार के पास एनपीपी और एनपीएफ के 4 विधायकों, लोजपा के इकलौते विधायक और तीन निर्दलीय सहित 36 विधायकों का समर्थन है।

अच्छी खबर: केंद्रीय कर्मचारियों को सितंबर में मिलेगी बढ़ी हुई सैलरी

सरकार ने जारी किए आदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लंबे समय से डीए और डीआर का इंतजार कर रहे केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए खुशखबरी है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को केंद्रीय कर्मचारियों के डीए को 1 जुलाई से 17 फीसदी से बढ़ाकर 28 फीसदी किए जाने के केंद्रीय कैबिनेट के फैसले को लागू करने को लेकर नया आदेश जारी किया। इस बढ़ोतरी में 1 जनवरी 2020, एक जुलाई 2020 तथा 1 जनवरी 2021 से मिलने वाली अतिरिक्त किस्तें भी समाहित हो जाएंगी। मालूम हो कि पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ता (डीए) और डियरनेस रिलीफ (डीआर) में 11 फीसदी की बढ़ोतरी के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी थी। यह फैसला एक जुलाई से प्रभावी हो जाएगा।

केंद्र सरकार के इस फैसले से 48 लाख से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों एवं 65 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, ये आदेश रक्षा सेवाएं अनुमान से भुगतान पाने वाले असैन्य कर्मचारियों पर भी लागू होगा। सैन्य बलों के कर्मचारियों तथा रेलवे के कर्मचारियों के लिए संबंधित मंत्रालयों द्वारा अलग-अलग आदेश जारी किया जाएगा।

18 महीने से नहीं मिला है डीए-डीआर: केंद्र ने कोविड-19 के कारण 1 जनवरी 2020 से डीए और डीआर के भुगतान पर रोक लगा दी थी, इसके चलते केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को 1 जनवरी 2020 से 30 जून 2021 तक 18 महीने के डीए-डीआर का भुगतान नहीं हो पाया है। हालांकि, 1 जनवरी 2020 से पहले की दर पर डीए-डीआर का भुगतान हो रहा है। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए डीए में प्रत्येक 6 महीने बाद बढ़ोतरी होती है। केंद्र ने जनवरी 2020 में डीए में 4प्रतिशत, जून 2020 में 3प्रतिशत और जनवरी 2021 में 4प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

60 लाख पेंशनभोगियों को डीआर का लाभ

कैबिनेट के फैसले से केंद्र सरकार के लगभग 60 लाख पेंशनभोगियों को भी फायदा होगा, क्योंकि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डीए लाभों के साथ उनका महंगाई राहत (डीआर) लाभ भी बहाल हो जाएगा। हालांकि, केंद्रीय केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि लगभग 1.14 केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का डीए और डीआर बकाया जनवरी 2020 से जून 2021 की अवधि के लिए नहीं दिया जाएगा।

डीए के बाद कितनी बढ़ेगी सैलरी?

चूंकि केंद्र सरकार के कर्मचारियों का डीए 1 जुलाई 2021 से 17 प्रतिशत से बढ़कर 28 प्रतिशत हो जाएगा, उनके मासिक वेतन में डीए वृद्धि के साथ तालमेल बिठाने की उम्मीद है। इस बढ़ोतरी की गणना कर्मचारी के मूल वेतन के आधार पर की जा सकती है। 7वें वेतन आयोग के तहत सैलरी कैलकुलेशन लिए मान लीजिए कि अगर एक केंद्र सरकार के कर्मचारी का बेसिक मंथली सैलरी 20,000 है तो उसका मौजूदा डीए प्रति माह 3400 है, अब डीए में वृद्धि के बाद उसका मासिक डीए 5600 होगा। इसी तरह, केंद्र सरकार के अन्य कर्मचारी अपनी मासिक डीए राशि में वृद्धि की जांच कर सकते हैं।

किसान संगठन कल संसद भवन के पास लगाएंगे किसान पंचायत

किसान नेताओं और दिल्ली पुलिस के बीच बेनतीजा रही दूसरे दौर की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों द्वारा 22 जुलाई से संसद भवन के पास किसान पंचायत लगाने को लेकर किसान नेताओं और दिल्ली पुलिस के बीच दूसरे दौर की बैठक बेनतीजा रही है, जबकि किसान नेताओं का कहना है कि पुलिस ने उन्हें परमिशन नहीं दी है, लेकिन किसान संसद की तरफ जरूर जाएंगे, वहीं, तीसरे दौर की मीटिंग की भी संभावना जताई है।

इस बीच किसान नेता योगेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली पुलिस के साथ हमारी बैठक बहुत पॉजिटिव हुई है। हमारी किसान पंचायत तय कार्यक्रम के साथ 22 जुलाई को होगी, वहीं किसान नेता गुरूनाम सिंह ने कहा कि बैठक में दिल्ली पुलिस ने अपनी बात रखी, तो हमने अपनी, साथ ही कहा कि हमारा जत्था जाएगा, जिसें 200 लोग शामिल होंगे। अनुमति की कोई बात नहीं है, अभी तो बातचीत चल रही है।

किसान करेंगे ये काम: यही नहीं, किसान आंदोलन के एक और नेता शिव कुमार कक्का ने कहा कि पुलिस के साथ उन्होंने शंका और सावधानियों पर विस्तार पर चर्चा की है। अनुमति कोई सरकार लिखित में नहीं देती है, वो भी नहीं देंगे। हमारे दो सौ किसान जाएंगे, जैसी उनकी कार्रवाई होगी वैसी ही हमारी कार्रवाई होगी। इसके साथ उन्होंने कहा कि हमारी पांच बसों में दो सौ लोग जाएंगे, जबकि यह प्रदर्शन सुबह 10 से पांच शाम बजे तक होगा। इसके अलावा किसान पंचायत के दौरान हर व्यक्ति को कार्ड दिया जाएगा और उसके साथ उसका आधार कार्ड रहेगा, वहीं, दूसरी बार मीटिंग बेनतीजा रहने को लेकर उन्होंने कहा कि अब क्यों दोबारा बैठक करेंगे, होनी होगी तो हो जाएगी।

किसान संगठनों का रोस्टर तैयार

इससे पहले भारतीय किसान यूनियन के मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र मलिक ने बताया था कि यूनियन ने 22 जुलाई आयोजित किसान पंचायत में जाने वाले किसान संगठनों का रोस्टर तैयार कर लिया है। इसके लिए देशभर के 200 किसान संगठनों को चिन्हित किया गया है। रोजाना 40 संगठनों के 5-5 किसान पंचायत में शामिल होने के लिए जाएंगे। इस तरह रोजाना 200-200 किसान जंतर-मंतर पर जाकर पंचायत लगाएंगे। इसके लिए किसान संगठनों को सूचित कर दिया गया है।

मानसून सत्र: पीएम मोदी का कांग्रेस पर प्रहार

हर जगह खत्म हो रही कांग्रेस, लेकिन उसे खुद से ज्यादा भाजपा की चिंता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को शुरू हुआ, जो कि काफी हंगामेदार रहा। 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के संसदीय दल को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए अपने सभी नेताओं से कहा कि वे कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के बीच जमीनी स्तर पर ज्यादा से ज्यादा काम करें।

आरोपों की राजनीति करती है कांग्रेस: प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में विपक्षी दलों द्वारा हंगामा करने और कार्यवाही में बाधा पहुंचाने पर चिंता जताई और कहा कि ऐसे समय में जब पूरी मानव जाति कोविड-19 महामारी संकट का सामना कर रही है, विपक्षी दलों का यह रवैया बहुत गैर जिम्मेदाराना है। कांग्रेस हर जगह खत्म हो रही है, लेकिन उसको अपनी नहीं, बल्कि भाजपा की ज्यादा चिंता है। विपक्ष निराश है, इसलिए चर्चा से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरोपों की राजनीति करती है। कांग्रेस कई राज्यों में खत्म होती जा रही है, इसलिए चर्चा करने के बजाय हंगामा कर रही है। असम, केरल और बंगाल हर जगह चुनाव हार गए, फिर भी कांग्रेस की नींद नहीं खुली। उन्हें अपनी नहीं, हमारी चिंता ज्यादा है। बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्ष के रवैए पर बहुत चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि सदन में चर्चा हो और सार्थक चर्चा हो।

चीन ने लॉन्च की सुपर हाई स्पीड मैगलेव ट्रेन

चीन ने मंगलवार को सुपर हाई स्पीड वाली मैगलेव ट्रेन का अनावरण किया है। इस ट्रेन को चीन ने देसी तकनीक से विकसित किया है। यह ट्रेन विद्युत चुंबकीय बल की मदद से ट्रैक के ऊपर तैरती हुई नजर आती है। द्रुत गति की मैग्लेव ट्रेन परियोजना की शुरुआत अक्टूबर, 2016 में हुई थी।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार अगले हफ्ते तय

पांच से सात नए चेहरों को किया जाएगा शामिल

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार होना लगभग तय हो गया है। रविवार को भाजपा और संघ के साथ हुई बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार को हरी झंडी मिल गई है।

मंत्रिमंडल में किन नए चेहरों को जगह दी जाएगी, उस पर भी सहमति बन गई है। इसके बाद सोमवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और संगठन महामंत्री सुनील बंसल दिल्ली पहुंच गए। दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई चर्चा के बाद जल्द ही सब तय कर लिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि विस्तार में 5-7 नए नाम शामिल किए जा सकते हैं, इसी महीने होने वाले विस्तार की तारीख की घोषणा सीएम योगी आदित्यनाथ से चर्चा के बाद की जाएगी।

नहीं हटाया जाएगा कोई मंत्री: सूत्रों का कहना है कि संघ ने भाजपा की मौजूदा कैबिनेट से किसी को भी नहीं हटाने की सलाह दी है। भाजपा को इससे फायदा होने की बजाए नुकसान हो सकता है। यूपी भाजपा ने ये सलाह मान भी ली है, रविवार को लखनऊ में संघ, सरकार और संगठन की समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें सीएम सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, संगठन महामंत्री सुनील बंसल और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, दिनेश शर्मा, संघ के सर कार्यवाह दत्रात्रेय होसबोले के साथ मौजूद रहे, उसमें मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सहमति बनी। बैठक से लौटने के बाद भाजपा के स्वतंत्र देव सिंह और सुनील बंसल के साथ मंथन किया। कुछ नामों पर चर्चा भी की गई। यूपी संगठन ने संभावित 10 नामों की सूची तैयार करके सोमवार को दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ बैठक की। उत्तरप्रदेश की सूची में से 5-7 नाम फाइनल कर लिए गए हैं। अब गृहमंत्री अमित शाह के साथ भी एक बैठक होनी है, छांटे हुए नामों पर उनसे भी राय ली जाएगी।

जातीय गणित पर होगा विशेष फोकस: सूत्रों का कहना है कि संघ की राय के बाद भाजपा ने अपनी जो सूची तैयार की है, उसमें जातीय गणित पर विशेष ध्यान दिया है। मौजूदा समय में उत्तरप्रदेश मंत्रिमंडल में सीएम के अलावा 22 कैबिनेट मंत्री, 9 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 21 राज्यमंत्री यानी कुल 53 लोग शामिल हैं। कैबिनेट में 60 लोग शामिल हो सकते हैं, इस वजह से अधिकतम सात नए मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है।

1

बिजनेस

महंगी थाली से राहत की उम्मीद नहीं

कमजोर बारिश से खाद्यान्न की कीमतों में उछाल की आशंका

नई दिल्ली । मॉनसून की कमजोर बारिश से खाद्यान्न की कीमतों में उछाल आ सकता है। इसकी वजह यह है कि देश की आधी आबादी सिंचाई के लिए मॉनसून की बारिश पर निर्भर करती है।

कमजोर मॉनसून से इकोनॉमिक रिकवरी को भी चोट पहुंचने की आशंका है। इस बार मॉनसून शुरू होने के बाद कमजोर पड़ गया। आम तौर पर चार महीने बारिश वाले मॉनसून सीजन की शुरुआत एक जून को केरल से होती है। पिछले महीने के पहले पखवाड़े में औसत से ज्यादा बारिश के बाद मॉनसून तीन हफ्ते तक कमजोर रहा। अब फिर से बारिश शुरू हो गई है, लेकिन बीच में इसके कमजोर पड़ने और कम बारिश के चलते धान, कपास और सोयाबीन जैसी फसलों की बुआई पर असर पड़ने के आसार हैं। ससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ने का अनुमान है। पहले ही खाने-पीने की चीजों की कीमतें काफी महंगी हो चुकी हैं। खुदरा महंगाई दर छह फीसदी के ऊपर पहुंच गया है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के महंगाई के तय लक्ष्य से ज्यादा है। आने वाले हफ्तों में मॉनसून की बारिश कैसी होती है, यह ग्रामीण इलाकों में लोगों की आय और मांग के लिए काफी अहम होगा।

विनिर्माण व सेवा क्षेत्र कोरोना से बेहाल

मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज सेक्टर कोरोना की मार से बेहाल हैं। इधर, कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन भी खराब रहने से अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी है। बार्कलेज पीएलसी के अर्थशास्त्री राहुल बजोरिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, जुलाई और अगस्त में मानसून की प्रगति काफी अहम होगी, क्योंकि इसका फसलों की उपज पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बुआई कम रहने और असमान मॉनसून की वजह से फसलों की उपज पर असर पड़ेगा, जिससे कृषि आय घट जाएगी। भारत चावल, गेहूं और चीनी का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। अगर अनाज का उत्पादन कम रहता है तो कमोडिटीज के ज्यादा आयात की जरूरत पड़ेगी। चावल, कपास, मक्का और दलहनों की बुआई एक साल पहले के मुकाबले करीब 12 फीसदी कम है। ये आंकड़े कृषि मंत्रालय के हैं।

10 फीसदी तक महंगी हो सकती हैं दालें

नई दिल्ली । दालों के बढ़ते भाव पर नियंत्रण के बाद केंद्र ने दाल आयातकों से स्टॉक लिमिट हटा ली है। मिलर्स एवं थोक विक्रेताओं के लिए भी स्टॉक लिमिट की सीमा बढ़ा दी गई है। इस फैसले से दलहन किसानों को राहत मिलेगी क्योंकि आने वाले दिनों में दालों के भाव बढ़ सकते हैं। सरकार के फैसले के बाद भी दाल मिलर्स, थोक विक्रेताओं, आयातकों को उपभोक्ता मामलों के विभाग के वेब पोर्टल पर स्टॉक की जानकारी देनी होगी। केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि सरकार की ओर से तय की गई लिमिट किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी। इससे आने वाले दिनों में दालों की कीमतों में 5 से 10 फीसदी की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। हालांकि इससे आम आदमी पर महंगाई की मार पड़ेगी, क्योंकि कोरोना काल में दालें पहले ही काफी महंगी हो चुकी हैं। ज्यादातर दालें 100 रुपए प्रतिकिलो से ऊपर निकल गई हैं। कोरोना काल में लोगों को सब्जियां मिलने में परेशानी हुई। इसके अलावा इस दौरान लोगों ने नॉनवेज से भी दूरी बनाई हैं और प्रोटीन के लिए दाल को सहारा लिया। इस तरह के कारणों के चलते दाम की डिमांड बढ़ी है। इसके अलावा हम दूसरे देशों से दाल का आयात करते हैं लेकिन कोरोना के कारण इसमें कमी आई। इससे भी दाम की कीमतों को सपोर्ट मिला है। केंद्र सरकार ने दालों जैसी जरूरी वस्?तुओं की कीमतों पर काबू पाने के लिए 2 जुलाई 2021 को स्?टॉक लिमिट लगाने का फैसला किया था।

बिकवाली से सेंसेक्स 355 अंक लुढ़का

नकारात्मक संकेतों से 2 जून के निचले स्तर पर सेंसेक्स

मुंबई । एशियाई बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली रही जिससे सेंसेक्स और निफ्टी डेढ़ महीने अधिक के निचले स्तर पर आ गये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 354.89 अंक यानी 0.68 प्रतिशत टूटकर चार जून के बाद के निचले स्तर 52,198.51 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 120.30 अंक यानी 0.76 फीसदी की गिरावट के साथ 15,632.10 अंक पर आ गया जो इसका 02 जून के बाद का निचला स्तर है।

शेयर बाजार में बिकवाली का जोर इस कदर रहा कि बीएसई के सभी समूहों के सूचकांक लाल निशान में बंद हुये। मझौली और छोटी कंपनियों पर ज्यादा दबाव रहा। बीएसई का मिडकैप 1.40 प्रतिशत लुढ़ककर 22,674.98 अंक और स्मॉलकैप 1.48 फीसदी टूटकर 25,990.67 प्रतिशत पर आ गया। धातु, वित्त, बैंकिंग, दूरसंचार, रियलिटी, ऑटो, इंडस्ट्रियल्स, स्वास्थ्य, यूटीलिटीज, बिजली और पूंजीगत वस्तुओं के समूहों पर सबसे अधिक दबाव रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर लाल निशान में बंद हुये। एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 6.04 प्रतिशत की तेजी रही। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 1.52 फीसदी चढ़ा। विदेशों में एशियाई शेयर बाजार गिरावट में रहे जबकि सोमवार को इस साल की सबसे बड़ी गिरावट के बाद यूरोपीय शेयर बाजार आज हरे निशान में लौट आये। एशिया में जापान का निक्केई 0.96 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.84 फीसदी, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.35 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.07 फीसदी लुढ़क गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.57 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.32 प्रतिशत मजबूत हुआ।

कैसा रहा दिन का कारोबार : सेंसेक्स 120.52 अंक की गिरावट के साथ 52,432.88 अंक पर खुला और पूरे दिन उबर नहीं सका। इसका दिवस का उच्चतम स्तर 52,465.03 अंक रहा। दोपहर तक यह 52,013.51 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी 48.45 अंक टूटकर 15,703.95 अंक पर खुला। यह ऊपर 15,728.45 अंक तक और नीचे 15,578.55 अंक तक गया। निफ्टी की 50 में से 40 कंपनियों के शेयर लाल निशान में और शेष 10 के हरे निशान में रहे।

एलआईसी हाउसिंग ने सैट से संपर्क किया

तरजीही शेयरों के आवंटन का मामला

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने अपनी मूल कंपनी एलआईसी को 4.5 करोड़ से अधिक तरजीही शेयर आवंटित करने के कंपनी के प्रस्ताव के संबंध में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण सैट से संपर्क किया है। कंपनी को यह बताने के लिए कहा गया था कि एलआईसी को 4.54 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित करने के लिए तरजीही शेयरों का निर्गम मूल्य 514.25 रुपए किस तरह तय किया गया। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने बताया कि शेयर बाजार बीएसई और एनएसई तरजीही शेयरों के जरिए एलआईसी को अतिरिक्त हिस्सेदारी देकर कंपनी में 2334.70 करोड़ रुपये की पूंजी लाने की जांच कर रहे हैं। शेयर बाजारों ने कंपनी से एलआईसी को इक्विटी शेयरों के तरजीही निर्गम के तहत मूल्य निर्धारण के दौरान आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन, एओए के प्रावधानों के अनुपालन के बारे में पूछा था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने बीएसई और एनएसई को बताया कि उसने निर्गम का मूल्य तय करने के लिए एओए के प्रासंगिक प्रावधानों का पालन किया है।

रियल एस्टेट में बढ़े संस्थागत निवेश

नई दिल्ली । देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में चालू कैलेंडर साल में संस्थागत निवेश चार प्रतिशत बढ़कर पांच अरब डॉलर या 36500 करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान है। संपत्ति सलाहकार कोलियर्स इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड19 महामारी के बीच निवेशक आकर्षक मूल्यांकन पर संपत्तियों की खरीद करेंगे।वर्ष 2020 में रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 4.8 अरब डॉलर रहा था। कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चालू कैलेंडर वर्ष के पहले छह माह में देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश 2.9 अरब डॉलर या 21170 करोड़ रुपए रहा है। यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में दोगुना से अधिक की वृद्धि है। रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि पूरे साल के दौरान निवेश का आंकड़ा पांच अरब डॉलर या 36500 करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगा।

दिल्ली में घर पर मंगा सकेंगे डीजल

नई दिल्ली। दिल्ली वालों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने राष्ट्रीय राजधानी में 20 लीटर जेरीकैन में डीजल की डिलीवरी के लिए दिल्ली मुख्यालय वाले स्टार्ट-अप- हमसफर इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। दरवाजे पर डिलीवरी की सुविधा 20 लीटर से कम मात्रा में डीजल की मांग करने वाले ग्राहकों के लिए है। इनके काम आएगी सुविधा-जेरीकैन में डोरस्टेप डीजल डिलीवरी, जिसका शीर्षक सफर 20 है, से छोटे उद्योगों, मॉल, अस्पतालों, बैंकों, निर्माण स्थलों, किसानों, मोबाइल टावरों, शिक्षा संस्थानों के साथ-साथ छोटे उद्योगों को लाभ होने की उम्मीद है।

मैच हारते-हारते भारत ने जीती सीरीज

श्रीलंका को तीन विकेट से हराया, चाहर- भुवनेश्वर ने की आठवें विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी

कोलंबो। मदीपक चाहर ने दो विकेट चटकाने बाद बाद करियर का पहला अर्धशतक जड़ा और भुवनेश्वर कुमार के साथ आठवें विकेट की अटूट अर्धशतकीय साझेदारी की जिससे भारत ने मंगलवार को यहां बेहद रोमांचक दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्र केट मैच में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बनाई।

भारत की श्रीलंका के खिलाफ यह 93वीं जीत है और इसके साथ ही उसने किसी देश के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड बना दिया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 92 जीत और पाकिस्तान के श्रीलंका के खिलाफ 92 जीत दर्ज करने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा और नया रिकॉर्डधारी बन गया। श्रीलंका के 276 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने चाहर (82 गेंद में नाबाद 69, सात चौके और एक छक्का) और भुवनेश्वर (28 गेंद में नाबाद 19) के बीच आठवें विकेट की 84 रन की अटूट साझेदारी से 49.1 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाकर जीत दर्ज की। इन दोनों ने उस समय यह साझेदारी की जब भारत 193 रन पर सात विकेट गंवाने के बाद संकट में था। भारत की ओर से सूर्यकुमार यादव (53) ने भी अर्धशतक जड़ा जबकि मनीष पांडे (37) और कृणाल पंड्या (35) ने उपयोगी पारियां खेली। श्रीलंका ने चरिथ असालांका (68 गेंद में 65 रन, पांच चौके) और सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो (71 गेंद में 50 रन) के अर्धशतक से नौ विकेट पर 275 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था। निचले क्रम में चमिका करूणारत्ने (33 गेंद में नाबाद 44, पांच चौके) ने तेजतर्रार पारी खेली जिससे टीम अंतिम 10 ओवर में 79 रन जोड़ने में सफल रही। करूणारत्ने ने असालांका के साथ सातवें विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी भी की। भारत की ओर से लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 50 रन जबकि भुवनेश्वर कुमार ने 54 रन पर तीन-तीन विकेट चटकाए। चाहर ने 53 रन देकर दो विकेट हासिल किए। तीसरा और अंतिम मुकाबला यहां प्रेमदासा क्रिकेट स्टेडियम में ही 23 जुलाई को खेला जाएगा।

अंतिम दो ओवर में 15 रन बनाकर मैच जीता

चाहर और भुवनेश्वर अब क्रीज पर थे। भारत को अंतिम 10 ओवर में 67 रन की दरकार थी। चाहर ने संदाकन पर चौका और फिर छक्का जड़ने के बाद रजिता पर लगातार दो चौके जड़कर रन गति बनाए रखी। भारत को अंतिम पांच ओवर में 31 रन की जरूरत थी। हसारंगा के ओवर में सिर्फ दो रन बने लेकिन भुवनेश्वर और चाहर ने चमीरा पर चौके जड़ते हुए 13 रन बटोरे। हसारंगा के 48वें ओवर में सिर्फ एक रन बना। भारत को अंतिम दो ओवर में 15 रन की जरूरत थी। चाहर ने चमीरा पर दो चौके के साथ भारत का पलड़ा भारी किया। अंतिम ओवर में भारत को तीन रन की दरकार थी और चाहर ने रजिता की पहली गेंद पर चौका जड़कर टीम को जीत दिला दी।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका पारी	रन	गेंद	4	6
अविष्का कै. क्रुणाल बो. भुवनेश्वर	50	71	4	1
मिनोद भानुका कै. पांडे बो. चहल	36	42	6	0
भानुका राजापक्षा कै. किशन बो. चहल	00	01	0	0
धनंजय कै. धवन बो. चाहर	32	45	1	0
असलंका कै. पडिकल बो. भुवनेश्वर	65	68	6	0
दसून शनका बो. चहल	16	24	1	0
वनिंदु हसरंगा बो. चाहर	08	11	1	0
चमिका करुणाररत्ना नाबाद	44	33	5	0
चमीरा कै. पडिकल बो. भुवनेश्वर	02	05	0	0
लक्षन संडकैन रनआउट	00	01	0	0
कसुन रजिता नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त: 21, कुल: 50 ओवर में नौ विकेट पर 275 रन **विकेट पतन:** 1-77, 2-77, 3-124, 4-134, 5-172, 6-194, 7-244, 8-264, 9-266, **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 10-0-54-3, चाहर 8-0-53-2, हार्दिक 4-0-20-0, चहल 10-1-50-3, कुलदीप 10-0-55-0, क्रुणाल 8-0-37-0,

भारतीय पारी	रन	गेंद	4	6
पृथ्वी बो. हसरंगा	13	11	3	0
शिखर धवन पगबाधा हसरंगा	29	38	6	0
ईशान किशन बो. रजिता	01	04	0	0
मनीष पांडे रन आउट	37	31	3	0
सूर्यकुमार यादव पगबाधा संडकैन	53	44	6	0
हार्दिक पांड्या कै. धनंजय बो. दसून	00	03	0	0
क्रुणाल पांड्या बो. हसरंगा	35	54	3	0
चाहर नाबाद	69	82	7	1
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	19	28	2	0

अतिरिक्त: 21, कुल: 49.1 ओवर में सात विकेट पर 277 रन **विकेट पतन:** 1-28, 2-39, 3-65 ,4-115, 5-116, 6-160, 7-193, **गेंदबाजी:** रजिता 7.1-0-53-1 चमीरा 10-0-65-0, हसरंगा 10-0-37-3, संडकैन 10-0-71-1, करूणारत्ना 6-1-26-0, शनका 3-0-10-1, डीसिल्वा 3-0-10-0,

फर्नांडो और मिनोद ने श्रीलंका को अच्छी शुरुआत दी

इससे पहले श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। फर्नांडो और मिनोद भानुका (36) ने पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़कर एक बार फिर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। मिनोद और फर्नांडो दोनों को चाहर के ओवर में जीवनदान मिला। मिनोद ने इसके बाद भुवनेश्वर और चाहर दोनों पर दो-दो चौके मारे जबकि फर्नांडो ने चहल पर चौके के साथ आठवें ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद श्रीलंका के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया। अगले पांच ओवर में कोई बाउंड्री नहीं लगी। टीम को इसका फायदा 14वें ओवर में मिनोद के विकेट के रूप में मिला जो चहल की गेंद पर पांडे को कैच दे बैठे।

यह देश के लिए मेरी ड्रीम इनिंग थी: चाहर

दीपक चाहर दो विकेट और 69 रनों की पारी के योगदान की वजह से इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच बने। उन्होंने मैच के बाद कहा कि ऐसी पारी खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है। दीपक ने कहा, राहुल सर (राहुल द्रविड़) ने मुझे कहा कहा था कि मुझे नंबर-7 पर खेलना चाहिए। ये देश के लिए मेरी ड्रीम इनिंग थी।

भुवनेश्वर कुमार ने अक्टूबर 2015 के बाद फेंकी पहली नो-बॉल

भुवनेश्वर कुमार अपनी स्विंग के लिए जाने जाते हैं। सटीक लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करने वाले भुवनेश्वर बल्लेबाजों पर लगाम लगाकर रखते हैं। इसके साथ ही वह काफी अनुशासन से गेंद फेंकते हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है वह बहुत कम नो-बॉल फेंकते हैं। भुवी ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे इंटरनैशनल सीरीज के दूसरे मैच में नो-बॉल फेंकी। कमाल की बात यह है कि भुवी ने करीब छह साल बाद नो-बॉल फेंकी। कोलंबो में तीन मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भुवनेश्वर अपने तीसरे ओवर की पहली गेंद फेंकने आए। बल्लेबाजी वाले छोर पर मिनोद भानुका थे। भुवी का पांव पॉपिंग क्रीज से आगे था। महज एक इंच। भुवनेश्वर ने अक्टूबर 2015 के बाद पहली बार नो-बॉल फेंकी। इस बीच उन्होंने 3093 गेंदें फेंकीं। भुवनेश्वर ने अपने वनडे इंटरनैशनल करियर में सिर्फ पांच नो-बॉल फेंकी है। अक्टूबर 2015 के बाद से उन्होंने अपनी दो पिछली नो-बॉल के बीच 513.3 ओवर फेंके हैं।

मिताली राज फिर बनीं नंबर एक वनडे बल्लेबाज

आईसीसी रैंकिंग में मंधाना टॉप-10 में शामिल

दुबई। भारतीय कप्तान मिताली राज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला एक दिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 762 अंक के साथ एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गई जबकि बायें हाथ की बल्लेबाज स्मृति मंधाना भी नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हैं।

16 साल से भी अधिक समय पूर्व पहली बार बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंचने के बाद मिताली नौवीं बार नंबर एक बल्लेबाज बनीं हैं। पिछली रैंकिंग में शीर्ष पर चल रही वेस्टइंडीज की कप्तान स्टेफनी टेलर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं। मंगलवार को हुए साप्ताहिक अपडेट में वेस्टइंडीज की कप्तान टेलर को 30 अंक का नुकसान हुआ। वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पांच मैचों की श्रृंखला में 3-2 से हराया। टेलर को साप्ताहित रैंकिंग के दौरान तीन मैचों में से दो में बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने 49 और 21 रन बनाए। श्रृंखला के पहले मैच में नाबाद शतक की बदौलत एक दिवसीय रैंकिंग में पिछले हफ्ते शीर्ष पर पहुंची टेलर ने ऑलराउंडरों की सूची में भी शीर्ष स्थान

ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी को गंवा दिया है। तीन मैचों में टेलर को कोई विकेट नहीं मिला जिससे वह आलराउंडरों की सूची में भी तीन स्थान नीचे खिसक गईं।

झूलन शीर्ष 10 में शामिल एक मात्र भारतीय गेंदबाज

गेंदबाजों की सूची में झूलन गोस्वामी पांचवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जबकि ऑलराउंडरों की रैंकिंग में दीप्ति शर्मा 10वें स्थान पर हैं। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में भारतीय सलामी बल्लेबाज मंधाना अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की बराबरी करते हुए तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 में 70 रन की पारी खेली थी जो पिछले हफ्ते इस प्रारूप में उनका एकमात्र मुकाबला था।

शम्सी की घातक गेंदबाजी से जीता द. अफ्रीका

आयरलैंड को पहले टी-20 में 33 रन से हराकर 1-0 की बढ़त बनाई

डबलिन। मैन ऑफ द मैच लेफ्ट आर्म स्पिनर तबरेज शम्सी (4/27) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने यहां सोमवार को आयरलैंड को पहले टी-20 मुकाबले में 33 रन से हरा कर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

जवाब में आयरलैंड की टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवा कर 132 रन ही बना पाई। सलामी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक ने शुरुआत में छोटी, लेकिन विस्फोटक पारी खेली। तीन चौकों और एक छक्के के सहारे डी कॉक ने नौ गेंदों पर 20 रन बनाए। उनके अलावा मध्यक्रम में एडन मार्करम, रैसी वान डेर डुसेन और डेविड मिलर ने अच्छी पारी खेली। तीनों ने क्रमशः 30 गेंदों पर 39 (दो चौके, दो छक्के), 18 गेंदों पर 25 (दो चौके, एक छक्का) और 21 गेंदों पर 28 रन (तीन चौके) बनाए। अंत में कैगिसो रबादा ने बेखौफ तरीके से खेलते हुए चार चौकों की मदद से नौ गेंदों पर 19 बनाए, जिसकी बदौलत दक्षिण अफ्रीका 165 का स्कोर बनाने में कामयाबी हुई। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी भी शानदार रही। लिजार्ड विलियम्स को छोड़कर अन्य चारों गेंदबाज सफल रहे।

आईपीएल के मैचों की तुलना घरेलू मैचों से करना अनुचित

आईपीएल को तरजीह देने के आरोप पर शाह ने कहा

दुबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने रणजी ट्राफी जैसे राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की जगह ग्लैमर और चकाचौंध से भरे आईपीएल को तरजीह देने के आरोपों को अनुचित और गैरजरूरी करार देते हुए कहा कि इस लीग के 60 मैचों के आयोजन और घरेलू मुकाबलों के 2000 से अधिक मैचों के आयोजन में जमीन-आसमान का फर्क है। कोविड-19 महामारी के दौरान हजारों खिलाड़ियों और सहायक कर्मचारियों के लिए जैव-सुरक्षित माहौल बनाने की परिचालन संबंधी कठिनाइयाँ के कारण पिछले साल रणजी ट्रॉफी के अलावा जूनियर स्तर के किसी भी घरेलू क्रिकेट का आयोजन नहीं हुआ था।

टूर्नामेंटों के आयोजन नहीं होने से खिलाड़ियों की कमाई नहीं हो सकीं, तो वही दूसरी तरफ बीसीसीआई को आईपीएल पर ज्यादा ध्यान देने के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। टी20 विश्वकप और इंडियन प्रीमियर लीग की तैयारियों के लिए दुबई और मस्कट गए शाह ने कहा, मुझे लगता है कि आलोचना गैरजरूरी और अनुचित है। हमने 2020 में भी महामारी के बीच में, सभी सावधानियों के साथ सैयद

मुश्ताक अली टूर्नामेंट, विजय हजारे टूर्नामेंट और सीनियर महिला एक दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन किया। शाह ने कहा कि दोनों (आईपीएल और घरेलू सत्र) आयोजनों में मैचों की संख्या और आवश्यक लॉजिस्टिक्स की तुलना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, आईपीएल की तुलना किसी अन्य भारतीय घरेलू टूर्नामेंटों से करना सही अकलन नहीं होगा। आईपीएल फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट है और यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ के लिए एक मंच है, जहां वे अपना कौशल दिखा सकते हैं। शाह ने कहा, भारतीय घरेलू सत्र में 2000 से अधिक मैच होते हैं, जबकि आईपीएल में 60 मैच खेले जाते हैं।

अभ्यास मैच में राहुल ने जड़ा शतक

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए मिडल ऑर्डर में पेश की दावेदारी

डरहम। केएल राहुल (101) और रविंद्र जडेजा की धमाकेदार पारियों के दम पर भारत ने काउंटी सिलेक्ट इंग्लेवन के खिलाफ यहां खेले जा रहे तीन दिन के वॉर्मअप मैच के पहले दिन 9 विकेट के नुकसान पर 306 बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज क्रीज पर मौजूद थे।

रोहित शर्मा 9 के निजी स्कोर पर आउट हो गए। रोहित के बाद मयंक 28, पुजारा 21 और हनुमा विहारी 24 के स्कोर पर पवेलियन लौटते दिखे। इसके बाद मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने आए केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने भारत को

संभाला और दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी हुई। केएल राहुल ने 150 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 1 छक्का लगाया। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के लिए मजबूत दावा पेश किया। इस मुकाबले में विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे ने हिस्सा क्यों नहीं लिया। बीसीसीआई के अनुसार कप्तान विराट कोहली को अपनी पीठ में कुछ अकड़न महसूस हुई और उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने तीन दिवसीय प्रथम श्रेणी अभ्यास मैच से आराम करने की सलाह दी है। वहीं उपकप्तान अजिंक्य रहाणे के बाएं ऊपरी हैमस्ट्रिंग के आसपास हल्की सूजन है। भारतीय टीम पूर्व भारतीय क्रिकेटर यशपाल शर्मा जी को श्रद्धांजलि देने के लिए काले आर्मबैंड्स पहनकर मैदान पर उतरी।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को 3-0 से क्लीन स्वीप किया

हरारे। कप्तान तमीम इकबाल की 112 रन की शानदार पारी के दम पर बांग्लादेश ने मंगलवार को यहां तीसरे एकदिवसीय मैच में जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला को 3-0 से अपने नाम किया।

जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण मिलने पर 49.3 ओवर में 298 रन पर ऑलआउट हो गयी। बांग्लादेश ने इसके जवाब में दो ओवर शेष रहते पांच विकेट पर 302 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। सलामी बल्लेबाज तमीम ने 97 गेंद की पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगाने के साथ पहले विकेट के लिए लिटन दास (32) के साथ 88, दूसरे विकेट के लिए शाकिब अल हसन (30) के साथ 59 और मोहम्मद मिथुन (30) के साथ तीसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलायी। डोनाल्ड तिरिपानो (61 रन पर दो विकेट) ने 35वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर तमीम और महमदुल्ला (शून्य) को पवेलियन भेजकर जिम्बाब्वे की मैच में वापसी कराई लेकिन नुरूल हसन (नाबाद 45) और अफिफ हुसैन (नाबाद 26) ने आखिरी ओवरों में ताबड़तोड़ पारी खेल टीम को जीत दिला दी। इससे पहले रेगिस चकाब्वा (84), सिकंदर रजा (57) और रयान बर्ल (59) की अर्धशतकीय पारियों से जिम्बाब्वे ने 298 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

जापान के प्रधानमंत्री को सफल टोक्यो ओलंपिक 2020 का भरोसा

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने कोरोना महामारी के बावजूद टोक्यो ओलंपिक 2020 खेलों के सफलतापूर्वक आयोजन का भरोसा जताया है। सुगा ने मंगलवार को यहां 138वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र के उद्घाटन की घोषणा से पहले अधिकारियों को बताया, पिछले साल से कोरोना महामारी के कारण हालात सुधर नहीं रहे हैं। संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन अब वैक्सीन आ गई है और टीकाकरण किया जा रहा है। एक लंबी सुरंग से गुजरने के बाद अब बाहर निकलने का एक रास्ता हमारी नजर में है। दुनिया को बहुत बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अब समय आ गया है कि हम एकजुट रहें और मानव जाति के प्रयासों और ज्ञान के साथ हमें खेलों को पूरा करना होगा। हम ऐसा कर सकते हैं और हम खेलों का सफल आयोजन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, कई जगहों पर दर्शक नहीं होंगे, लेकिन टोक्यो के महत्व को कभी कम नहीं किया जाएगा।

भारतीय एथलीटों ने अपने प्रदर्शन से उम्मीदों को ऊंचा कर दिया है: सचिन

नई दिल्ली। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने टोक्यो ओलम्पिक में हिस्सा लेने उतर रहे भारतीय एथलीटों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए मंगलवार को कहा कि दबाव हमेशा आपका साथी रहेगा लेकिन आपने अपने प्रदर्शन से उम्मीदों का आसमान ऊंचा कर दिया है।

सचिन ने 26 एथलीटों को वर्चुअल विदाई समारोह में कहा, आप सबने इन मुश्किल समय में कड़ी मेहनत की है आपने सुना होगा कि जीत और हार खेल का ही हिस्सा हैं , तो क्यों न हम जीतें और दूसरों को हारने दें। जब आप पदक जीतेंगे, तिरंगा ऊपर जाएगा, राष्ट्रीय धुन बजेगी तो यह आपके जीवन का सबसे बड़ा क्षण होगा। टोक्यो से समारोह के साथ जुड़े भारतीय ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र ध्रुव बत्रा ने कहा कि भारतीय एथलीट ओलंपिक पदक जीतने के कगार पर हैं और मैं जानता हूं कि एथलेटिक्स पदक ज्यादा दूर नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष आदिल जे सुमारिवाला ने कहा, इन 26 एथलीटों ने सबसे बड़े मंच पर देश के प्रतिनिधित्व का अधिकार पाया है ।

ऑस्ट्रेलिया के नए कप्तान होंगे एलेक्स कैरी

ब्रिजटाउन। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवर के कप्तान आरोन फिंच वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मुकाबले से घुटने में चोट के कारण बाहर हो गए हैं और उनकी जगह एलेक्स कैरी को कप्तानी सौंपी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ट्वीट कर कहा, एलेक्स कैरी को वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का 26वां कप्तान बनने पर बधाई। फिंच चोट के कारण विंडीज के खिलाफ पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया को विंडीज के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था और अब उसकी नजरें तीन मैचों की वनडे सीरीज पर कब्जा करने पर होगी। फिंच को विंडीज के खिलाफ आखिरी टी20 मैच में चोट लगी थी जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। फिंच की चोट पर डे टू डे बेसिस पर नजर रखी जा रही है।

राजधानी (न्यू वॉम्बे)

दिन	रात
290 = 1	689 = 3
239 = 4	140 = 5

शुभांक

दिन	रात
139 = 3	157 = 3
148 = 3	128 = 1

भाग्यांक
1 2 5 9
www.kalyangame.com

पीवी सिंधू की नजरें लगातार दूसरे ओलंपिक पदक पर

टोक्यो में सिंधु स्वर्ण की प्रबल दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो ओलंपिक में पदक जीत चुके भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रियो खेलों की रजत पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैम्पियन पी वी सिंधू की अगुवाई में टोक्यो में खेलेंगे तो उनका लक्ष्य पदकों की हैट्रिक लगाने का होगा।

टोक्यो ओलंपिक में भाग ले रहे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का विश्लेषण इस प्रकार है। इनमें किसी का लक्ष्य पहला पदक जीतना तो किसी का लक्ष्य पदक का रंग बेहतर करना होगा। रियो ओलंपिक में अप्रत्याशित सफलता के साथ सिंधू भारत में जाना पहचाना नाम बन गई। उन्होंने लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल से एक कदम आगे निकलकर पहले ही

ओलंपिक में रजत पदक जीता। पांच साल बाद अब सिंधू के पास अधिक अनुभव है और वह 2017 विश्व चैम्पियनशिप फाइनल भी खेल चुकी हैं। करीब 110 मिनट तक चले उस दूसरे सबसे लंबे महिला एकल मुकाबले में सिंधू को जापान की नाओमी ओकुहारा ने हराया था। एक साल बाद वह फिर फाइनल में पहुंची लेकिन ओलंपिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन से हार गई। वह 2018 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों के फाइनल में भी हार गई लेकिन इस सिलसिले को उसने विश्व टूर फाइनल्स 2018 और बासेल में 2019 विश्व चैम्पियनशिप में तोड़ा। टोक्यो में वह स्वर्ण की प्रबल दावेदार होगी क्योंकि मारिन भी चोट के कारण नहीं खेल रही है। ओलंपिक से पहले हालांकि वह सिर्फ स्विस ओपन के फाइनल में पहुंची और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में सेमीफाइनल तक ही पहुंच सकी। वह हालांकि बड़े मैचों की खिलाड़ी है और नये विदेशी कोच पार्क ताए सांग के साथ उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया है। ड्रॉ को देखें तो उसे ग्रुप जे में हांगकांग की चुएंग एंगान यि और इस्राइल की सेनिया पी को हराने में दिक्कत नहीं आयेगी।

पहली बार ओलंपिक में खेलेंगे बी साई प्रणीत

पहली बार ओलंपिक खेल रहे प्रणीत छिपे रूस्तम साबित हो सकते हैं । सिंधू, साइना और किदाम्बी श्रीकांत जैसे सितारों के बीच उन्होंने 2017 सिंगापुर ओपन जीतकर अपना लोहा मनवाया। फिटनेस समस्याओं से उबरकर उन्होंने 2019 विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य जीता और यह कमाल करने वाले वह प्रकाश पादुकोण के बाद दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं । उन्हें पदक जीतने के लिये जापान के केंतो मोमोता, रियो के कांस्य पदक विजेता विक्टर एक्सेलसेन, चीन के शि यू की से पार पाना होगा ।

चिराग और सात्विक से युगल में पदक की उम्मीद

चिराग और सात्विक के प्रदर्शन में हर टूर्नामेंट के साथ निखार आया है । पूर्व ओलंपिक पदक विजेता डेनमार्क के मथियास बोए के मार्गदर्शन में वे टोक्यो ओलंपिक में युगल वर्ग में इतिहास रच सकते हैं। मुंबई के चिराग और अमलापुरम के सात्विक ओलंपिक के लिये क्वाम्लीफाई करने वाली भारत की दूसरी युगल टीम है । दोनों राष्ट्रमंडल खेल 2018 में युगल रजत जीत चुके हैं। इसके बाद थाईलैड ओपन 500 में खिताब और फ्रेंच सुपर 750 में रजत पदक जीता। दोनों को कठिन ड्रॉ मिला है जिसमें उनके ग्रुप में दुनिया की नंबर एक टीम इंडोनेशिया के केविन संजय सुकामुलजो और मार्कस फर्नाल्डी गाइडोन शामिल हैं।

रेसलिंग में भारत की शान हैं विनेश फोगाट, एक से बढ़कर एक कामयाबी है उनके नाम

नई दिल्ली। विनेश फोगाट को रेसलिंग विरासत में मिली क्योंकि उनके चाचा महावीर सिंह फोगाट खुद पहलवान थे। विनेश फोगाट ने रेसलिंग की कला अपने चाचा से सीखी और इसके जरिए भारत का नाम दुनिया में खूब रोशन किया। विनेश की सफलता का सफर जारी है और कॉमनवेल्थ गेम्स व एशियन गेम्स दोनों में गोल्ड मेडल जीतने वाली वो भारत की पहली महिला पहलवान हैं। विनेश 18 फरवरी, 2019 को होने वाले लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स के लिए नामांकित होने वाले पहली भारतीय रेसलर बनी थीं। हरियाणा के भिवानी जिले के बलाली गांव में उनका जन्म 25 अगस्त 1994 को हुआ था। उन्होंने 2019 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता और टोक्यो ओलंपिक में क्वालीफाई करने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बनीं थीं। 26 साल की विनेश फोगाट ने अपने करियर में कई कामयाबियां हासिल की है। 2014 और 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने देश के लिए गोल्ड मेडल जीता था तो वहीं एशियन गेम्स की बात करें तो उन्होंने 2014 में ब्रॉन्ज जबकि 2018 में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। एशियन चैंपियनशिप में भी उनकी उपलब्धियां काफी अच्छी रही है और इस साल यानी 2021 में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था।

महिलाओं के लिए खास स्टाइल वाला **एलेक्स ट्वेन्टीन** पहला स्टोर खुला

जयपुर। महिला पोशाक के क्षेत्र में विख्यात मुंबई के फैशन ब्रांड एलेक्स ट्वेन्टीन् ने जयपुर के वर्ल्ड पार्क में अपना पहला स्टोर खोल दिया। प्रीमियम और लिमिटेड एडीशन वाले फैशनेबल कपड़ों के साथ इस स्टोर का आज उद्घाटन किया गया। इस ब्रांड की नवीनतम खरीददारी के लिए दिन की शुरुआत से ही शहर की फैशनेबल महिलाएं आने लगी थी। इस ब्रांड को आधुनिक महिलाओं के वार्डरोब को नए सिरे से समृद्ध करने के लिए जाना जाता है। एलेक्स ट्वेन्टीन भारत का एकमात्र ब्रांड है, जो आधुनिक महिलाओं के बीच फैशन के लिमिटेड एडीशन वेस्टर्न ड्रेस, बेहतरीन सिलाई, उचित मूल्य के साथ महिलाओं को पूर्ण संतुष्टि देता हैं। डे टू नाईट ड्रेसिंग् कलेक्शन महिलाओं को एक से एक सुंदर ड्रेस के चयन का मौका देता है। ये कलेक्शन महिलाओं को अपनी वर्किंग लाइफ को हर जगह के लिए निर्धारित ड्रेस से संतुलित करने की सुविधा देता है। इस कलेक्शन में ऑफिस वियर, पार्टी वियर, केजुअल ड्रेसेस वगैरा हैं। सतर्कता से डिजाइन की गई ये रेंज आज की महिलाओं को रंगों के रोमांचक मिश्रण, चपल स्टाइल और फैशनेबल ट्रेंड के साथ बोल्ड लुक देता है। कपड़ों पर उकेरी गई दुनियाभर की नई तरह की अभिनव शैलियां यहाँ के इन-हाउस डिजाइनर द्वारा विकसित की गई हैं। ये कलेक्शन आज की महिलाओं को ऐसा वार्डरोब सजाने का मौका देता है, जो कभी पुराना नहीं पड़ता और ये महिलाओं की फैशन वरीयताओं से मेल भी खाता है। चटपटे टॉप्स से लगाकर सुरुचिपूर्ण फॉर्मल शर्ट, सही फिटिंग वाले ट्राउजर्स से स्पोर्टी प्लेसूट, कूल जम्पसूट से क्लासिक डिजाइन जो हर साइज और मांग मुताबिक उपलब्ध है। एलेक्स ट्वेन्टीन ने अपनी ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज कराई है। जयपुर में अपने पहले फ्लैगशिप स्टोर के शुभारंभ के बारे में, एलेक्स ट्वेन्टीन के संस्थापक महिपाल सिंह ने कहा, श्हम इस खूबसूरत गुलाबी शहर में अपना पहला स्टोर लांच करने के लिए उत्साहित हैं। जयपुर की तरूण महिलाओं की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से यह संग्रह फैशन के अंतरराष्ट्रीय मानकों से मेल खाता है और समकालीन कपड़ों का मिश्रण पेश करता है। आज की महिलाओं की फैशन वरीयताओं के अनुरूप उन्हें काम के दौरान पहने जाने वाले, फुर्सत और पार्टी के अवसरों पर सबसे अच्छा लगने का अवसर देता है। हमारी इस पेशकश के लिए लगातार प्रयास जारी है। हम हर सीजन में एक नए संग्रह के साथ, आज की आजाद महिलाओं को श्डे टू नाईटश् के लिए विशेष और बोल्ड कपड़े बनाने का प्रयास करते हैं, जो कि उनके व्यक्तित्व शैली को अभिव्यक्त करे। वर्ल्ड ट्रेड पार्क की नई दुकान में नए आइटम के साथ महिलाओं के लिए फैशन की एक विविध श्रेणी उपलब्ध है। यदि आप विशिष्ट और बोल्ड कपड़ों में दिखना चाहते हैं, तो जयपुर में फैशन के प्रति उत्साह के लिए अब और इंतजार बाकी नहीं रहा।

यह ब्रांड अपने खास और बोल्ड संग्रह के साथ इस गुलाबी शहर की युवा महिलाओं की फैशन मांग को पूरा करने के लिए तैयार

बिग बॉस हाउस पड़ोसियों को भी साथ लेने के लिए तैयार !

18 प्रतिभागी, 100.दिन तक बाहरी दुनिया से अलग-थलग और एक वायदा: पड़ोसी आ रहे हैं बजाने बारह

बिग बॉस का 11वां सीजन अपने प्यारे पड़ोस के साथ तैयार है ! उनमें से कुछ शांतिप्रिय हैं तो कुछ जिज्ञासु हैं तो कुछ नाक में दम करने वाले और कुछ पड़ोसियों को परेशान करने वाले हैं। इस सीजन में मनोरंजन का ऐसा तड़का देखने को मिलेगा जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। बिग बॉस एक और असाधारण सीजन के लिए तैयार है। पड़ोसी टेलीविजन के पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं क्योंकि 18 प्रतिभागी, कुछ सेलिब्रिटी ओर कुछ आम आदमी अगले कुछ सप्ताहों के लिए अपने नए घर में आने के लिए तैयार हैं। ओपुलेंट प्रापर्टी लोनावाला में 19400 वर्ग फुट क्षेत्र में है जिसमें कुछ ऐसे एलीमेंट होंगे जो एक्शन पैक्ड सफर के दौरान प्रतिभागियों के लिए कुछ मजेदार पल सृजित करेंगे। एस्थेटिक जीनियस ओमुंग कुमार का डिजाइन किया हुआ यह हाउस लार्जर-दैन-लाइफ एलीमेंट से भरा है। इसमें 90 कैमरे और छुपी परछाइयां प्रतिभागियों पर पल-पल नजर रखेंगे। प्रतिभागियों के इस घर में प्रवेश करने से बहुत पहले आइए देखते हैं कि इस बार कैसा होगा बिग बॉस हाउस !

पॉप-आर्ट की दुनिया में आपका स्वागत है!

हाउस पर पहली नजर डालते ही मोनोटोन्स के कंट्रास्ट में वाइब्रैंट एवं ब्राइट कलर्स नजर आते हैं। पॉप-आर्ट की थीम को जीवंत करते हुए इस घर में विंटेज कॉमिक-थीम्ड इमेज्स के साथ विभिन्न एलीमेंट डिजाइन किए गए हैं।

टोप्सी-टर्वी! - जैसे ही रात होती है तो चीजें हमेशा खूबसूरत नहीं रहती और बिग बॉस हाउस सचमुच इसका प्रमाण है। वास्तु के नियमों के विपरीत एलीमेंट्स इस ढंग से रखे गए हैं जो उस विचारधारा के मुख्य पक्ष के बिलकुल विपरीत है। काउच्स खासतौर से डिजाइन किए गए हैं ताकि वे असंतुलित नजर आएं और टेलीफोन बूथ का मुंह इसी तरफघुमाया गया है और इस महंगे स्थल पर एक सोफा रखा गया है।

इसकी गूढ़ता - बटन आमतौर पर कपड़ों पर लगाए जाते हैं, पेंसिल लिखने के लिए इस्तेमाल होती हैं और नंबर प्लेट कारों पर लगाई जाती हैं - लेकिन बिग बॉस हाउस में ऐसा नहीं जहां दीवारें विशाल रंगारंग बटनों से सजी हैं, पेंसिलों से फोटोफ्रेम बनाए गए हैं और नंबर प्लेट से टेबल टॉप बनाई गई है।

राउंड टेबल कान्फ्रेन्स- बिग बॉस के 10 सीजन तक प्रतिभागियों को आयताकार डिनर टेबल पर बैठकर बेहूदे ढंग से संवाद करना होता था। लेकिन इस वर्ष प्रतिभागी अपनी खुद की राउंड टेबल कान्फ्रेन्स कर सकते हैं और उनके ऊपर तैरती एंजल्स उनकी प्रत्येक हरकत पर नजर रखेगी।

फाइट-फाइट-फाइट !

अपनी शारीरिक मजबूती दिखाने के लिए अखाड़े से बेहतर कौन सी जगह हो सकती है जो लिविंग स्पेस के बीच में बना है। इसके लिए चाहे कोई भी कारण हो लेकिन अखाड़े में कुछ गंभीर फाइट देखने को मिलेंगी जो बिग बॉस के इतिहास में इससे पहले कभी नहीं देखी गई होगी।

इकोफ्रेंडली बाथरूम्स- बिग बॉस के बाथरूम्स में अनेक दोस्ती बनी और टूटी लेकिन इस वर्ष सब कुछ जंगल में मंगल जैसा होगा क्योंकि बाथरूम का प्रत्येक कोना हरा-भरा होगा ! जी हां, दीवारों और दरवाजों पर घास होगी इसलिए देखने वाले को ऐसा लगेगा कि वह प्रकृति की गोद में है।

दुनिया देख रही है ! - बिग बॉस के लोगो को नया रूप देते हुए कन्फेशन रूम को इस ढंग से डिजाइन किया गया है कि उससे धारावाहिक की सच्ची भावना झलकती है। पॉप-आर्ट की थीम में बनाई गई आंखों से कमरे का महत्व पता चलता है और ऐसा लगता है बिग बॉस की नजर आप पर है इसलिए दुनिया की आंखें आपको देख रही हैं !

कालकोठरी का भय

इस वर्ष का सबसे दिलचस्प एलीमेंट बेहद डरावनी जेल का नया वर्जन होगा। इस सीजन के प्रतिभागी कोइ भी नियम तोड़ने से पहले ग्यारह बार सोचेंगे क्योंकि इस घर में अंडरग्राउंड जेल है जो लॉन एरिया के एक तरफ बनी है उसमें पंखे नहीं हैं और साथ में भारतीय शौचालय है !

पड़ोसी हाउस - ''पड़ोसी'' की थीम के अनुसार सचमुच पड़ोस का पुट लाने के लिए अलग से एक घर बनाया गया है जिसमें प्रतिभागी पड़ोसियों की तरह रहेंगे। आपको आश्चर्य हो सकता है कि इस घर में पड़ोसी की थीम को कैसे समाहित किया गया है। जी हां, थीम का प्रतिनिधित्व न केवल एलीमेंट से होता है बल्कि सम्पूर्ण संरचना से पड़ोसी की ही झलक मिलती है। अलग संरचना के रूप में पड़ोसी हाउस यकीनन बिग बॉस सीजन 11 के सफर में नए-नए मोड लाएगा। इस हाउस में काफी स्पेस है और पैस्टल शेड्स में सजाया गया है ताकि उसे कोजी स्पेस का लुक दिया जा सके। अतिसूक्ष्म, मद्धम रंगों के बावजूद पड़ोसी हाउस में खूबसूरत आर्ट के साथ बिग बॉस हाउस जैसे ही पॉप एंड ऑव मौजूद हैं।

'याहावी आइकन्स - भुवन बाम इंडिया टुअर' इस वीकेंड जयपुर में दर्शकों को करेगा रोमांचित

यूट्यूब सेंसेशन- भुवन बाम ने अपनी कॉमिक टाइमिंग और गायिकी से मौजूदा दौर की युवा पीढ़ी को हमेशा ही रोमांचित किया है। उनके द्वारा जयपुर में 'याहावी आइकन्स- भुवन बाम इंडिया टुअर' का आयोजन किया जा रहा है। इस भारतीय कॉमेडियन एवं सिंगर के उनके यूट्यूब चैनल- बीबी की वाइंस पर 4 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। भुवन बाम दर्शकों को लाइव परफॉर्मेंस के दौरान हास्य एवं मनोरंजन के सफर पर ले जाने का वादा करते हैं। 'याहावी आइकन्स- भुवन बाम इंडिया टुअर' आपके पसंदीदा आइकन की लाइफ कॉमेडी और म्यूजिक का भरपूर संयोजन है। यह निश्चित रूप से आपको रोमांचित करेगा। पुणे से शुरू हुये इस मल्टी-सिटी टुअर का समापन नवंबर में कोलकाता में होगा। इस दौरान यह टुअर देहरादून, जयपुर, भोपाल, रायपुर, नागपुर, कानपुर, चंडीगढ़, अहमदाबाद और दिल्ली की यात्रा करेगा। लींअपण्बवउ द्वारा आयोजित किये गये इस टुअर का उद्देश्य एक लाइव फॉर्मेट में प्रतिभाशाली कलाकारों को व्यापक स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाना है। 'याहावी आइकन्स- भुवन बाम इंडिया टुअर' के साथ इस साल के हंसी के सबसे बड़े सफर का हिस्सा बनने के लिये तैयार हो जाईये।

शांतनु ने खतरों के खिलाड़ी में अपने डर को जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की

''पेन इन स्पेन'' के 15 सप्ताह के बाद, बाघों और सांपों से जंग लड़ने, साहसिक स्टंट करने और कई डर से जीतकर शांतनु माहेश्वरी खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 के विजेता के रूप में उभरे हैं। विवादों, ड्रामा और साहस इस धारावाहिक में सब कुछ था जो ग्रांड फाइनल में चरम पर पहुँच गया। अपने निक नेम बेबी शार्क के अनुरूप शांतनु टेलीविजन की पसंदीदा लेडीज-निया शर्मा और हिना खान को हराने के बाद विजेता बने। यह सीजन साहसिक कारनामों से भरूपर रहा लेकिन असली तड़का तो सीजन के फाइनल एपिसोड में लगा जब टास्क मास्टर रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने गोलमाल अगेन के अन्य सितारों के साथ मिले। अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर और तब्बू ने इस ग्रांड फाइनल में शानदार परफॉरमेंस दी। शांतनु माहेश्वरी ने फाइनल स्टंट में हिना खान को केवल 7 सेकेंड से पराजित किया! बेबी शार्क से खतरों के खिलाड़ी तक शांतनु का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा। एक ऐसी वैन में बैठने को विवश करने जिसमें लाल मिर्च स्प्रे का अत्यधिक छिड़काव किया गया था, जीप से खींचा जाने तक उसने जीत के लिए पात्र बनने के वास्ते सब कुछ किया! पेन इन स्पेन जब शुरू हुआ था तो शांतनु तब से ही साहसी और निर्भीक रहा है तथा हाइड्रोफोबिया एवं ऊंचाई से डरने के बावजूद अपना शत प्रतिशत दिया। ग्रांड प्राइज के रूप में शांतनु भारी-भरकम राशि और चमकती नई जीप कॉम्पास घर ले जाएंगे।

खतरों के खिलाड़ी -पेन इन स्पेन के सफल संचालन की सराहना करते हुए कलर्स की प्रोग्रामिंग हेड मनीषा शर्मा ने कहा, ''कलर्स में, ऐसा कंटेंट उपलब्ध कराने के लिए मनोरंजन को नई बुलंदी पर ले जाने में विश्वास करते हैं जो दर्शकों को पसंद आए और रोमांचित करे। हमारे पसंदीदा टास्क मास्टर रोहित शेट्टी की वापसी के साथ हमने पहले की तुलना में चीजों को और भी रोमांचक और साहसिक बनाने के नए लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी।

मनीष खन्ना नजर आयेंगे एंड टीवी के नये शो '**सिद्धिविनायक**' में

टेलीविजन पर प्रसारित हो रहे कई सारे फिक्शन शोज में एक और कहानी शामिल होने वाली है। एंड टीवी पर जल्द ही एक नया शो 'सिद्धिविनायक' शुरू होने जा रहा है। यह शो बॉलीवुड की चमक-दमक की पृष्ठभूमि पर बना है। 'सिद्धिविनायक' नफरत से भरी कहानी बयां करता है। इसमें दो ऐसे लोगों की कहानी दिखाई गई है, जो नफरत की वजह से एक-दूसरे के करीब आते हैं। अभिनेत्री नेहा गोस्वामी इसमें प्रमुख महिला किरदार सिद्धि की भूमिका निभा रहीं, जो एक बैकग्राउंड डांसर है। उनके साथ हैं नितिन गोस्वामी, जो विनायक उर्फविन की भूमिका में हैं। शो में विनायक की पिता की भूमिका के लिये मशहूर अभिनेता मनीष खन्ना को चुना गया है। मनीष एक ठेठ पंजाबी शंकर कुंद्रा की भूमिका में हैं, जो बॉलीवुड में अपना कॅरियर बनाने के लिये सपनों की नगरी मुंबई आता है। वह ना केवल अपने सपनों को पूरा करना चाहता है, बल्कि अच्छे-खासे पैसे भी कमाना चाहता है। किस्मत कुछ इस तरह से मोड़ लेती कि शंकर को अपनी करनी पर पछाताने की जरूरत नहीं रह जाती। वह अपनी जिंदगी में आगे बढ़ जाता है और बॉलीवुड में एक बड़ा प्रोड्यूसर बन जाता है। अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए, मनीष खन्ना कहते हैं, ''सिद्धि विनायक' की कहानी काफी दिलचस्प है और मेरा किरदार शंकर कुंद्रा, सिद्धि और विनायक की प्रेम कहानी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि, पहले मैंने कई नकारात्मक भूमिकाएं निभाई हैं, लेकिन शंकर का किरदार थोड़ा अलग है। इस किरदार में कई सारी परतें हैं, जो शो के आगे बढ़ने के साथ खुलती जायेंगी। इस नये रोमांचक सफर का मुझे बेसब्री से इंतजार है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे इस नये अवतार में पसंद करेंगे।''

जावेद अख्तर ने आशा पारेख के बुलंद दिनों के बारे में छुपी बातें प्रकट की

अगर कोई ऐसा एक्टर है जिसने कई पीढ़ियों के दर्शकों को आकर्षित किया तो निसंदेह वह आशा पारेख ही है। उनके 75वें जन्मदिन के अवसर पर जी क्लासिक ने ''वो जमाना करे दीवाना'' शीर्षक के तहत क्लासिक लीजेंड्स सीजन 4 का खास एपिसोड प्रसारित करने के लिए तैयार है। अपने निराले अंदाज वाले शब्दों के जादूगर जावेद अख्तर ने आशा पारेख के ग्लमेर एवं मनोरंजन की दुनिया में पैर जमाने के बारे में बताया।जावेद अख्तर ने बताया कि आशा पारेख स्कूल में बड़ी शरारती बच्ची थी और वह प्राय: अपने दोस्तों और शिक्षकों के शरारतें करती थीं। उन्होंने कहा, ''आशा पारेख प्राय: अपने दोस्तों और शिक्षकों की मिमिक्री करती रहती। लोकल ट्रेन में अपने माता-पिता के साथ भी उसकी शरारतें जारी रहतीं। ऐसे ही एक वाकया तब हुआ जब आशा पारेख की खोज सहायक निर्देशक ने की। उसकी माँ ने उस समय तो इस बात को गंभीरता से नहीं लिया लेकिन उसके शब्दों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ा।''क्लासिक लीजेंड्स के जाने माने होस्ट ने बताया कि आशा पारेख की पहली स्टेज परफॉरमेंस का श्रेय प्रेमनाथ को दिया जा सकता है जो उसके कौशल में विश्वास करते थे। जावेद ने कहा, ''आशा पारेख की परफॉरमेंस पर शानदार उत्साह को देखकर उनकी माता ने उसका नाम डांस क्लास के लिए लिखवाने का फैसला किया। बाद में उसकी स्टेज परफॉरमेंस के दौरान आशा पारेख की आधिकारिक खोज बिमल राय ने की और तब उसके करियर ने उडान भरी।

उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी न देने वाली पार्टियों पर होगी कार्रवाई?

चुनाव आयोग की विफलता पर सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चुनाव के दौरान प्रत्याशियों के आपराधिक रिकॉर्ड का ब्यौरा मीडिया में प्रकाशित करवाने में चुनाव आयोग की विफलता के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आदेश सुरक्षित रख लिया।

कोर्ट ने 2018 में आदेश दिया था कि चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी अखबार और टीवी चैनल में प्रसारित की जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव में इस आदेश का पालन नहीं हुआ था। ऐसे में चुनाव आयोग के अधिकारियों और राजनीतिक पार्टियों के नेताओं पर कोर्ट की अवमानना के लिए कार्रवाई होनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने 13 फरवरी 2020 को भी दिया था आदेश

- राजनीतिक दल किसी उम्मीदवार को टिकट देने के 48 घंटे के भीतर एक क्षेत्रीय अखबार और एक राष्ट्रीय अखबार में उसके ऊपर दर्ज और चल रहे मुकदमों की जानकारी प्रकाशित करें।
- पार्टियां टीवी चैनल पर भी यह जानकारी प्रसारित करें।
- राजनीतिक दल अपनी आधिकारिक वेबसाइट और फेसबुक और ट्विटर अकाउंट पर भी इस जानकारी को डालें।
- उम्मीदवार को टिकट देने के 72 घंटे के भीतर पूरी जानकारी चुनाव आयोग को दें।
- राजनीतिक दल को यह भी बताना पड़ेगा कि जिस उम्मीदवार पर अपराधिक मुकदमे लंबित हैं, उसने उसी को टिकट क्यों दिया? क्या वहां पर कोई बेदाग उम्मीदवार नहीं था?

चुनाव आयोग के वकील विकास सिंह ने कोर्ट को बताया कि 2020 के बिहार विस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल ने 103, भाजपा ने 77, जेडीयू ने 56, एनसीपी ने 26 और सीपीआई (एम) ने 4 आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को टिकट दिया। पार्टियों को कोर्ट के फैसले के बारे में जानकारी दी गई थी, लेकिन ज्यादातर मामलों में उसका पालन नहीं हुआ।

राजनीतिक दलों पर होनी चाहिए अवमानना की कार्रवाई

चुनाव आयोग की तरफ से ही पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि कोर्ट के आदेश का पालन न करने वाले राजनीतिक दलों पर अवमानना की कार्रवाई होनी चाहिए। साल्वे ने वकील प्रशांत भूषण को एक मामले में मिली सजा का हवाला देते हुए कहा कि पार्टियों के नेताओं पर 1 रुपए का दंड जैसी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। इससे नेता मुस्कुराते हुए तस्वीर खिंचवाकर पैसा जमा करने आएंगे। मामले में एमिकस क्यूरी बनाए गए वरिष्ठ वकील केवी विश्वनाथन ने कहा कि चुनाव आयोग पार्टियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए शक्तिहीन नहीं है, इलेक्शन सिंबल आर्डर 1968 की धारा 16 ए के तहत चुनाव आयोग को अधिकार है कि वह किसी पार्टी का चुनाव चिन्ह निलंबित कर दे। एनसीपी, सीपीआई (एम) और बीएसपी की तरफ से कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी गई। एनसीपी के लिए पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि पार्टी ने अपनी बिहार इकाई के जिम्मेदार पदाधिकारियों के ऊपर इस मामले में कार्रवाई भी की है। कोर्ट की तरफ से पार्टी को अवमानना के लिए दंडित करना ज्यादा कठोर कदम हो जाएगा। बीएसपी के वकील दिनेश द्विवेदी ने कहा कि चुनाव के लिए टिकट देते समय किसी प्रत्याशी के जीतने की संभावना पर ध्यान देना पड़ता है।

रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल का किया सफल परीक्षण

मॉस्को, (एजेंसी)। रूस की सेना ने सोमवार को एक नई हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल का कामयाब परीक्षण किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूस के उत्तर में श्वेत सागर में स्थित एडमिरल गोर्शकोव युद्धपोत से यह परीक्षण किया गया। मंत्रालय ने कहा कि ध्वनि से सात गुना अधिक रफ्तार से इस मिसाइल ने बेरिंट सागर के तट से 350 किलोमीटर दूर लक्ष्य को सटीकता से भेद दिया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि जिरकॉन मिसाइल ध्वनि की रफ्तार से नौ गुना तेजी से उड़ान भरेगी और इसका दायरा 1,000 किलोमीटर तक है। पुतिन ने कहा है कि इस मिसाइल की तैनाती से रूस की सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी होगी। रूस की नौसेना ने नई मिसाइल के पूर्व में भी परीक्षण किए थे। पिछले साल अक्टूबर में पुतिन के जन्मदिन पर भी इस मिसाइल का परीक्षण किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि यह परीक्षण इस साल पूरा हो जाएगा। जिरकॉन मिसाइल को युद्धपोतों, पनडुब्बियों, फ्रिगेट पर तैनात करने की योजना है। रूस कई हाइपरसोनिक मिसाइलें विकसित कर रहा है और यह भी उनमें से एक है।

ताइवान की मदद की तो परमाणु बम से देंगे जवाब

चीन ने वीडियो जारी कर जापान को दी धमकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ताइवान की मदद की तो परमाणु बम से देंगे जवाब.. यह धमकी चीन ने जापान को दी है। कई मौकों पर अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर परमाणु बम का इस्तेमाल न करने की बात कहने वाले चीन का दोहरा चरित्र अब खुलकर सामने आ गया है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी सीसीपी ने एक वीडियो जारी किया है, इसके जरिए जापान पर परमाणु हमले की धमकी दी गई है। कहा गया है कि अगर जापान ने ताइवान की मदद की तो वो परमाणु बम से हमला कर देगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक यह वीडियो एक चैनल पर चलाया गया है और सीसीपी ने इसकी पुष्टि की है। वीडियो में कहा गया है कि हम सबसे पहले परमाणु बम का इस्तेमाल करेंगे। हम लगातार परमाणु बम का इस्तेमाल करते रहेंगे। वीडियो में कहा गया है कि हम यह तब तक करते रहेंगे जब तक कि जापान बिना किसी शर्त के आत्मसमर्पण न कर दे। ताइवान न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वीडियो को 2 मिलियन व्यूज मिलने के बाद डिलीट कर दिया गया, लेकिन इस वीडियो की कॉपी यूट्यूब और ट्विटर पर अपलोड कर दी गई है। चीन की तरफ से परमाणु हमले की यह धमकी तब दी गई है, जब अभी दो हफ्ते पहले ही जापान ने ताइवान की संप्रभुता की रक्षा किए जाने की बात कही थी।

शुरू से ही ताइवान पर अपना अधिकार जमाता रहा है चीन

मेनलैंड चीन के साउथईस्टर्न कोस्ट पर बसे ताइवान की आबादी 24 मिलियन है। चीन शुरू से ही ताइवान पर अपना अधिकार जमाता रहा है। हाल ही में जापान के उप प्रधानमंत्री तारो आसो के ताइवान पर चीन के हमले की सूरत में जापानी सेना के मदद के बयान से ड्रैगन बुरी तरह से भड़क उठा है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने धमकी दी थी कि अगर जापानी सेना ताइवान की मदद के लिए आई तो उसे चीन की सेना मिटा देगी।

सार समाचार

अतिवृष्टि के बाद रेडक्रॉस ने बढ़ाया मदद के लिए हाथ

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल बेबी रानी मौर्य से मंगलवार को इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तराखंड के महासचिव डॉ. एमएस अंसारी ने भेंट कर, जानकारी दी कि हाल ही में उत्तरकाशी जिले में बादल फटने की घटना के बाद रेडक्रॉस द्वारा तत्काल राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग दिया गया। श्री अंसारी ने श्रीमती मौर्य को बताया कि रेडक्रॉस के वॉलियन्टर्स द्वारा प्रभावितों को तत्काल राहत सामग्री पहुंचाई गई। राज्यपाल ने निर्देश दिये कि राज्य में आगामी मौसम संबंधित संवेदनशीलताओं को देखते हुए रेडक्रॉस द्वारा पर्वतीय जिलों के लिए राहत सामग्री का बफर स्टॉक रखा जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध हो सके।

पर्यटन मंत्री ने किया वेबिनार का उद्घाटन

लखनऊ (ब्यूरो)। पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, पर्यटन प्रबंध संस्थान तथा फिक्की के साथ संयुक्त रूप से वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिसका उद्घाटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यटन, संस्कृति, धर्मार्थ कार्य एवं प्रोटोकॉल, उप डॉ. नीलकंठ तिवारी ने किया, अध्यक्षता प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने की। पर्यटन का अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में बहुत बड़ा योगदान है। कोरोना के कारण पर्यटन उद्योग को बहुत क्षति हुई है। पर्यटकों के आवागमन में कमी हुई है, जिससे छोटे, बड़े सभी उद्यमियों के व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। बीइंग टूरिज्म रेडी वेबिनार में कई प्रतिष्ठित वक्ताओं और गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया, जो पर्यटन उद्योग को पुनः पुराने स्वरूप में लाने अपने दृष्टिकोण साझा करेंगे।

अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज की घटना निंदनीय : आप

लखनऊ, (ब्यूरो)। 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज और एक अभ्यर्थी के गोमती में कूदने की घटना पर आम आदमी पार्टी (आप) ने निंदा की है। पार्टी नेताओं ने अभ्यर्थियों से आत्मघाती कदम न उठाने की अपील करते हुए धैर्य से काम लेने को कहा है। मंगलवार को 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे थे। जहां लाठी चार्ज के बाद मची भगदड़ के बाद सरकार के रवैए से आहत एक अभ्यर्थी गोमती में कूद गया था। इस घटना को लेकर संजय सिंह ने ट्वीट करके सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट में लिखा है कि उप्र की 69000 सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाला हुआ इस बात की मुहर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी लगाई।

आज का इतिहास

- **1883** : कोलकाता में भारत के पहले सार्वजनिक थियेटर की शुरुआत हुई।
- **1884** : लॉर्डस के मैदान पर पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला गया।
- **1888** : ब्रिटेन के आविष्कारक डनलप ने टायर और ट्यूब तैयार किए।
- **1904** : 13 वर्ष तक चले निर्माण कार्य के बाद रूस में 4607 किलोमीटर लम्बी ट्रांस साइबेरियन रेल लाइन का काम पूरा हुआ।
- **1940** : सोवियत संघ ने एस्टोनिया लातविया और लिथुआनिया पर कब्जा किया।
- **1951** : भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी चंदू बोर्डे का जन्म।
- **1960** : श्रीलंका 'तब सीलोन' में सिरिमावो भंडारनायके विश्व की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।

देश में 125 दिन बाद कोरोना के सबसे कम 30,093 नए केस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर अभी थमी नहीं है। तीसरी लहर की आशंका के बीच केरल, महाराष्ट्र और ओडिशा समेत कई राज्यों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि कई दिनों बाद मंगलवार को देश में संक्रमण के दैनिक मामलों और कोविड से मरने वालों की संख्या में कमी दर्ज की गई है। देश में पिछले 24 घंटे में 30,093 मामले मिले और 374 लोगों की जान चली गई है।

374 मरीजों की गई जान

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में 374 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,14,482 हो गई, पिछले 111 दिन में सामने आए ये संक्रमण के सबसे कम मामले हैं। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी कम होकर 4,06,130 हो गई है, जो पिछले 117 दिन में सबसे कम है। यह कुल मामलों के 1.30 प्रतिशत हैं। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 15,535 कमी आई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.37 प्रतिशत है।

कोविड-19 से मृत्यु दर 1.33 प्रतिशत: आंकड़ों के अनुसार, अभी तक 44,73,41,133 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 17,92,336 नमूनों की जांच सोमवार को की गई। देश में नमूनों के संक्रमित आने की दैनिक दर 1.68 प्रतिशत है। यह पिछले 29 दिनों से लगातार तीन प्रतिशत से कम है। नमूनों में संक्रमण की पुष्टि की साप्ताहिक दर 2.06 प्रतिशत है। अभी तक कुल 3,03,53,710 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। कोविड-19 से मृत्यु दर 1.33 प्रतिशत है। देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की कुल 41.18 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

भारत को यूएस नेवी से मिलेंगे दो सीहॉक हेलीकॉप्टर

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। भारत को अमेरिकी नौसेना (यूएस नेवी) से दो एमएच-60 आर सीहॉक समुद्री हेलीकॉप्टर और 10वां पी-8 पोसाइडन समुद्री निगरानी विमान मिलने वाला है। इस डील से दोनों देशों के बीच सहयोग और उनकी नौसेनाओं के बीच पारस्परिक भागीदारी मजबूत होगी। अमेरिका के रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने ये जानकारी दी।

और पुख्ता होगी समुद्री सुरक्षा

भारतीय नौसेना अमेरिका के साथ विदेशी सैन्य बिक्री के तहत लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित कई भूमिकाओं को निभाने में सक्षम 24 एमएच-60आर हेलीकॉप्टर खरीद रही है, जिसकी कीमत करीब 2.4 अरब डॉलर है। अमेरिकी नौसेना से भारतीय नौसेना को हेलीकॉप्टरों के औपचारिक हस्तांतरण के लिए नेवल एयर स्टेशन नॉर्थ आइलैंड या एनएएस नॉर्थ आइलैंड, सैन डिएगो में शुक्रवार को एक समारोह आयोजित किया गया था।

जॉन किर्बी ने कही ये बड़ी बात

पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंत्रालय (रक्षा मंत्रालय) भारतीय नौसेना में हमारे भागीदारों को बधाई देना चाहता है, जिन्होंने पिछले सप्ताह अमेरिकी नौसेना से 24 एमएच-60आर सीहॉक समुद्री हेलीकॉप्टरों में से पहले दो और भारत के गोवा में हमारे 10वें बोइंग, पी-8 पोसाइडन समुद्री निगरानी विमान प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि भारत पहला देश है जो अमेरिका के बाहर हिंद-प्रशांत में निगरानी अभियानों के लिए पी-8 से संचालन करेगा। इन क्षमताओं से समुद्री सुरक्षा में काफी वृद्धि होगी और हमारी दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग और परस्पर संबंध मजबूत होंगे।

हर मौसम में काम करने में सक्षम है एमएच-60आर हेलीकॉप्टर

एमएच-60आर हेलीकॉप्टर हर मौसम में काम करने में सक्षम एक समुद्री हेलीकॉप्टर है, जिसे अत्याधुनिक वैमानिकी के साथ कई अभियानों में सहयोग के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। हेलीकाप्टरों को भी कई विशिष्ट उपकरणों और हथियारों से लैस किया जाएगा। भारतीय चालक दल का पहला जत्था अभी अमेरिका में प्रशिक्षण ले रहा है। लॉकहीड मार्टिन इंडिया के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी विलियम ब्लेयर ने एक बयान में कहा कि एमएच-60आर संचालन के लिहाज से सबसे उन्नत समुद्री बहु-मिशन हेलीकॉप्टर है, यह विश्व स्तर पर सेवा दे रहा है और इसका प्रदर्शन अब तक किसी से कम नहीं रहा है। भारतीय नौसेना द्वारा रोमियो के चयन के जरिए टीम सीहॉक में भरोसा जताने की हम सराहना करते हैं।

इराक में बम धमाका, 30 लोगों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इराक में हुए आत्मघाती बम धमाके की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है। इराक की राजधानी में मंगलवार को एक बम धमाका हुआ, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई।

एक टेलीग्राम ग्रुप पर मैसेज भेजते आईएस ने बताया कि अबू हमजा अल नाम के एक हमलावर ने सोमवार रात को बगदाद के सदर शहर में भीड़ के बीच जाकर विस्फोट किया, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई और 35 लोग घायल हो गए। यह हमला बगदाद में हाल ही के सालों में हुए भीषण हमलों में से एक था।

प्रधानमंत्री से मुलाकात

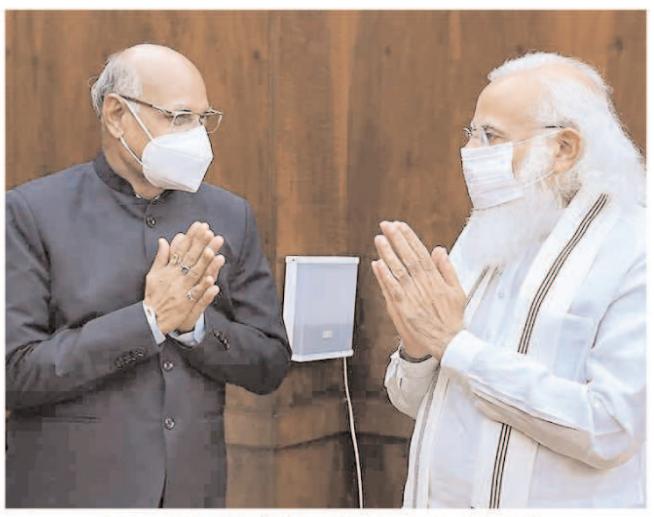

मंगलवार को नई दिल्ली में झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

जनसंख्या नियंत्रण उपायों पर जागरूक करेगी सरकार

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को एक बड़ा बयान दिया है। दरअसल, उन्होंने जनसंख्या विस्फोट को असम में अल्पसंख्यक मुसलमानों के बीच आर्थिक असमानता और गरीबी का मूल कारण बताया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को राज्य के निचले हिस्सों में जनसंख्या नियंत्रण उपायों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भेजा जाएगा।

राज्य के निचले हिस्सों में भेजे जाएंगे युवा

जनसंख्या सेना बनाएगी सरकार

बता दें, मुस्लिम बहुल इलाकों में जनसंख्या को नियंत्रित करने और इसे लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए असम सरकार जनसंख्या सेना या पॉप्युलेशन आर्मी बनाने वाली है। मुख्यमंत्री सरमा ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि एक हजार युवाओं की सेना क्षेत्रों में पहुंचकर गर्भनिरोधक दवाइयों का वितरण भी करेगी। गौरतलब है कि सरमा के जनसंख्या नियंत्रित करने के कई प्रस्ताव पहले ही लोगों की काफी नाराजगी का सामना कर चुके हैं।

1000 युवा गर्भ निरोधक करेंगे वितरित

सरमा ने विधानसभा में कहा, 'राज्य के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में आबादी बढ़ रही है। जनसंख्या नियंत्रण के उपायों के बारे में जागरूकता पहुंचाने और गर्भ निरोधक वितरित करने में करीब 1000 युवा शामिल होंगे। हम आशा कार्यकर्ताओं का एक अलग बल बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जिन्हें जन्म नियंत्रण और गर्भनिरोधक वितरण का काम दिया जाएगा।

चोटी को फतह कर वापस उतर रहा दक्षिण कोरियाई पर्वतारोही लापता

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के एक प्रसिद्ध पर्वतारोही, पाकिस्तान स्थित एक पर्वत चोटी पर चढ़ाई करने के बाद खराब मौसम के कारण खाई में गिर गया, जिसके बाद से वह लापता है। एक पर्वतारोहण अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पाकिस्तान अल्पाइन क्लब के सचिव कर्रार हैदरी ने बताया कि रविवार को, उत्तरी काराकोरम पर्वत श्रृंखला में 8,047 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ब्रॉड पीक चोटी पर चढ़ने के बाद किम होंग बिन नीचे उतर रहे थे, तभी हादसे के शिकार हो गए। इस चोटी पर चढ़ने के साथ ही 57 वर्षीय किम, विश्व की सभी 14 सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ने का कीर्तिमान बना चुके थे। ऐसा करने वाले वह विश्व के पहले दिव्यांग व्यक्ति हैं। वर्ष 1991 में अलास्का में चढ़ाई के दौरान वह फ्रॉस्टबाईट का शिकार हो गए थे और उन्हें अपनी सभी अंगुलियां गंवानी पड़ी थीं। हैदरी के अनुसार, रविवार को अन्य पर्वतारोहियों के साथ चोटी से उतरने के दौरान किम फिसल गए और पर्वत से चीन की तरफ गिर गए।

दिल्ली दंगा में अदालत ने सुनाया पहला फैसला, डकैती के आरोपी को किया बरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने पिछले साल उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मामले में दंगे और डकैती करने के आरोपी एक व्यक्ति को बरी कर दिया है। सुरेश उर्फ भटूरा को रिहा करते हुए अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ पेश किए गए गवाहों के बयान बिल्कुल अलग हैं और इस तरह उसका दोष सिद्ध नहीं होता।

अदालत ने 30 जून को उत्तर-पूर्वी दिल्ली हिंसा से जुड़े हत्या के एक मामले में सात आरोपियों को जमानत प्रदान कर दी।

अदालत ने कहा कि उन्हें ट्रायल के अंत तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि कोविड महामारी के कारण ट्रायल में देरी होने की संभावना है। यह मामला पिछले साल 24 फरवरी को हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान दिल्ली के ब्रह्मपुरी इलाके में विनोद कुमार की कथित हत्या से जुड़ा है। इस मामले में 12 आरोपी हैं। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के समर्थकों और विरोधियों के बीच हिंसा के बाद 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक झड़पें हुई थीं। दंगों में 53 लोगों की मौत हो गई थी।

पाक का शिगूफा, भारत ने हैक किया इमरान का फोन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पेगासस जासूसी कांड को लेकर इन दिनों भारतीय संसद से लेकर सड़क तक जमकर हंगामा देखने को मिल रहा है। भारत में इस्राइल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ के सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिए कई पत्रकारों, मंत्रियों और नेताओं के फोन की जासूसी करने का दावा किया जा रहा है।

इस्राइल से हैकिंग सॉफ्टवेयर पेगासस को लेकर हंगामा जारी

इस बीच, पाकिस्तान ने एक नया शिगूफा छोड़ा है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के फोन को भारत ने हैक किया। इसके साथ ही यह भी कहा है कि वह इस मुद्दे को बड़े मंच पर उठाएगा।

पाक में प्रधानमंत्री इमरान खान के फोन की भी इस्राइली सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिए जासूसी होने की चर्चा हो रही है। पाक अपनी नाकामी छिपाने इसका आरोप भी भारत पर मढ़ने की कोशिश कर रहा है। पाकके सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन से बात करते हुए इमरान खान के फोन की जासूसी को लेकर कहा कि भारत ने प्रधानमंत्री के फोन की टैपिंग कराई है। हम भारत द्वारा की गई हैकिंग के ब्यौरे का इंतजार कर रहे हैं। एक बार पूरी जानकारी मिलने के बाद इस मुद्दे को उचित मंचों पर उठाया जाएगा। इससे पहले फवाद चौधरी ने एक ट्वीट कर चिंता जताई। फवाद ने ट्वीट में लिखा कि यह अत्यधिक चिंता का विषय है। भारत सरकार ने कथित रूप से पत्रकारों और राजनीतिक विरोधियों की जासूसी करने के लिए इस्राइल के सॉफ्टवेयर पेगासस का इस्तेमाल किया है।

कवायद — उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव में दिखेगी राष्ट्रवाद की लहर

आरएसएस की बैठक में तैयार किया गया रोडमैप

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में इस बार राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और विकास के एजेंडे पर भाजपा ने मैदान में उतरने की तैयारी की है। जनता के बीच जाने से पहले पार्टी के अंदर असंतुष्टों को भी साधा जाएगा। चुनाव में पार्टी का चेहरा सीएम योगी और पीएम मोदी ही रहेंगे। हिंदुत्व के पोस्टरबॉय के रूप में सीएम योगी आदित्यनाथ को प्रोजेक्ट किया जाएगा। लखनऊ में 2 दिनों तक चली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बैठक में इन्हीं मुद्दों पर चर्चा हुई।

यूपी में विधानसभा चुनाव के लिए महज 6 से 7 महीने का वक्त बचा है। भाजपा की कोशिश है कि पिछले चुनाव से ज्यादा सीटों पर कमल खिलाया जाए। 2 दिनों तक संघ की जो समन्वय बैठक हुई, उसमें भी इसी बात पर चिंतन किया गया। हालांकि, मीटिंग में कई और भी मुद्दे थे, लेकिन कुल मिलाकर कहा जाए तो फोकस 2022 के चुनाव पर ही था। करीब 5 घंटे तक रविवार को भाजपा और संघ पदाधिकारियों के बीच चली समन्वय बैठक में 5 मुद्दों पर मुख्य फोकस रहा।

- सरकार के कामकाज की समीक्षा और उसके हिसाब से चुनाव की तैयारियां।
- चुनाव से पहले संगठन का विस्तार।
- पार्टी के अंदर असंतुष्ट नेताओं को मनाना।
- संघ और भाजपा से जुड़े संगठनों का विस्तार और उनकी भूमिका।
- चुनावी मुद्दे क्या हों और जनता के बीच लेकर किस तरह से ले जाया जाए।

आरएसएस का क्या है विचार

संघ के पदाधिकारी चाहते हैं कि आगामी चुनाव राष्ट्रवाद के मुद्दे पर लड़ा जाए। हिंदुत्व का इसमें तड़का लगे और पोस्टरबॉय के रूप में योगी आदित्यनाथ पर फोकस किया जाए। अयोध्या में राम मंदिर, धर्मांतरण, लव जिहाद, राष्ट्रवाद, अनुच्छेद 370, जनसंख्या नियंत्रण जैसे मुद्दों को उठाया जाए। इसके साथ ही सरकार की तरफ से इस दिशा में किए गए कार्यों को जनता के बीच ले जाया जाए।

बैठक में मौजूद रहे बड़े नेता

संघ के साथ बैठक में भाजपा से योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डॉ. दिनेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, यूपी प्रभारी राधा मोहन सिंह, संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और भाजपा कोऑर्डिनेटर अरुण कुमार मौजूद रहे।

कोरोना काल में किए कार्यों का लिया जाएगा श्रेय

बैठक में सरकार ने कोरोना संक्रमण के दौरान किए गए अपने कार्यों को गिनाया। संघ के पदाधिकारी भी संतुष्ट दिखे। बैठक में तय हुआ कि सरकार ने संक्रमण के बीच जो योजनाएं चलाई उन पर फोकस किया जाएगा। दवा, इलाज और ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता को जनता के बीच बताया जाएगा। संघ के 5 स्वयंसेवक हर गांव में तैनात किए जाएंगे, उनकी जिम्मेदारी होगी कि सरकार के कार्यों के बारे में लोगों को बताएं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक पूजा खण्डेलवाल के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर 3-ए-विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिन्धी कॉलोनी, गंगापुर सिटी से प्रकाशित।
प्रबंध सम्पादक विनोद कुमार गुप्ता. मो. 9887454960, ई-मेल:badhtikalam@gmail.com